हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, गुरुवार, 17 जुलाई, 2025

भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

तापमान

अधिकतम 32 डिग्री

न्यूनतम 25 डिग्री

12 जिले के 560 स्कूलों को दी मान्यता शिक्षा विभाग से प्रपत्र ही हैं गायब

13 कौही शिवलिंग और काली मंदिर में सुविधाओं की कमी, भटकते हैं श्रद्धालु

B.M. COLLEGE

BCA | BBA

PGDCA | B.Ed.

आई.टी.आई.

- इलेक्ट्रिशियन
- हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
- डीजल मैकेनिक
- फायर टेक्नालॉजी
- स्टेनो हिन्दी

गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग

8770638793, 9340311314

9303893829, 9300850065

इंजीनियरिंग में एडमिशन का दूसरा चरण पूरा, प्रदेश में 2932 सीटें एलॉट, आज से 3 दिनों तक प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

राज्य के इंजीनियरिंग कॉलेजों में एडमिशन के लिए चल रही काउंसलिंग के दूसरे राउंड का सीट आवंटन बुधवार को जारी हो गया। दूसरे चरण में प्रदेश के 29 इंजीनियरिंग कॉलेजों की 2932 कुल सीटें अलॉट की गई हैं। प्रदेश में इंजीनियरिंग की कुल 11498 सीटें हैं। जिन विद्यार्थियों को सीटें अलॉट की गई है उन्हे 17 जुलाई से संस्थान में आकर प्रवेश लेना होगा। डीटीई ने 20 जुलाई तक प्रवेश के लिए अंतिम तिथि तय की है। 22 जुलाई से तीसरे चरण की काउंसलिंग शुरू हो जाएगी।

रूंगटा इंजीनियरिंग की सीटें भी फुल

दूसरे चरण में भी भिलाई के इंजीनियरिंग कॉलेजों की सीटें सबसे पहले शतप्रतिशत अलॉट हो गईं। भिलाई स्थित रूंगटा इंजीनियरिंग की पहले राउंड में कुल 1458 सीटें अलॉट हुई थी, जिसमें 485 छात्रों ने कॉलेज पहुंचकर एडमिशन ले लिया था, जबकि 485 सीटों पर छात्रों के द्वारा रिपोर्टिंग नहीं की गई थी। इसके बाद इन 485 सीटों को दूसरे चरण की काउंसलिंग में लाया गया, जहां इस बार यह सभी सीटें अलॉट हो गई।

रूंगटा आर-1 और बीआईटी की सीटें फुल

बीआईटी की बची सीटें भी अलॉट

बीआईटी दुर्ग की पहले राउंड में 269 सीटें शेष बची थी, जिसमें दूसरे राउंड के सीट आवंटन में अलॉट कर दिया गया है। प्रदेश में इंजीनियरिंग की कुल 11498 सीटें है, जिसमें से सर्वाधिक सीटें जीईसी, सीएसवीटीयू, रूंगटा आर-9 कॉलेज और बीआईटी में अलॉट की गई है, साथ ही इनमें सर्वाधिक एडमिशन भी हुए हैं।

आज से तीन दिनों तक मौका

तकनीकी शिक्षा संचालनालय यानी डीटीई के काउंसलिंग शेड्यूल के मुताबिक जिन छात्रों को दूसरे चरण में सीट आवंटित हो गई है, अब उनको 17 से 20 जुलाई के बीच अलॉटेड कॉलेज पहुंचकर एडमिशन पक्का करना होगा। इसके बाद 22 जुलाई से तीसरे चरण की काउंसलिंग के लिए पंजीयन शुरू हो जाएंगे। 25 जुलाई पंजीयन की आखिरी तिथि होगी। तीसरे चरण की काउंसलिंग में शामिल होने वाले विद्यार्थी 27 जुलाई को मेरिट सूची देख पाएंगे। इस मेरिट सूची पर दावा-आपत्ति करने के लिए 28 अगस्त तक समय दिया गया है। दावा-आपत्तियों का निराकरण करने के बाद 30 जुलाई को डीटीई तीसरे चरण की सीटों का आवंटन कर देगा। जिन छात्रों को सीटें अलॉट हो जाएंगी, उन्हें 31 जुलाई से 3 अगस्त तक कॉलेज पहुंच अपने एडमिशन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

खबर संक्षेप

ऑटोमेटिक सिग्नलिंग कार्य से ट्रेनें प्रभावित

भिलाई। रेलवे द्वारा सरोना और उरकुरा के मध्य बाइपास डबल लाइन सेक्शन में सिग्नलिंग कार्य हो रहा है। इसके चलते पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा। जिसमें 19 - 20 जुलाई को पैसेंजर ट्रेने रहेगी प्रभावित।नॉन इंटरलॉकिंग कार्य 19 जुलाई को 5 बजे से 20 जुलाई की सुबह 7 तक कार्य जाएगा। रद्द होने वाली ट्रेनों में ट्रेन 68707 / 68708 रायपुर- दुर्ग - रायपुर पैसेंजर, ट्रेन 68717 / 68718 रायपुर- दुर्ग - रायपुर पैसेंजर, ट्रेन 68719 बिलासपुर रायपुर पैसेंजर, ट्रेन 68725 रायपुर दुर्ग पैसेंजर, 68727 बिलासपुर रायपुर पैसेंजर को रद्द रहेगी। 20 जुलाई को ट्रेन 68701 / 68702 रायपुर- दुर्ग - रायपुर पैसेंजर रद्द रहेगी। ट्रेन 68861/ 68862 गोंदिया झारसुगुड़ा गोंदिया पैसेंजर 19 जुलाई को बिलासपुर में ही समाप्त कर दी जाएगी। बिलासपुर से ही शुरू होगी उक्त ट्रेने जो बिलासपुर झारसुगुड़ा के मध्य रद्द रहेगी। साथ ही ट्रेन 68730 डोंगरगढ़ रायपुर पैसेंजर को 20 जुलाई 1 घंटा 30 मिनट रिशेड्यूल किया जाएगा।

कार चोरी सनटेक कंपनी के कर्मचारियों ने की, गिरफ्तार

भिलाई। वाहन चोरी के मामले में पुलिस ने सनटेक कंपनी के कर्मी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से पुलिस ने 8 लाख रुपए का वाहन जब्त किया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि टाटा योध्दा जेएच 01 एफई 3630 को चालक मनमोहन महतो ने प्रज्ञा लॉज के पास जीई रोड खुर्सीपार के पास को खड़ा किया था। कार को लॉक कर चाबी अपने साथ लेकर राजा उरांव के साथ अपने कमरे में गया 14 जुलाई की सुबह गायब मिला। जिसकी कीमत 6.50 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस को मुखबिर ने सूचना दिया कि डबरापारा के पास दो संदिग्ध व्यक्ति उक्त कार को बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे थे। तुरंत खुर्सीपार पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को पकड़ा गया। पूछताछ करने पर युवक ने अपना नाम झारखंड हाल ही में जोन 3 खुर्सीपार निवासी जलहा उरांव,अमित तीडू होना बताया है। पूछताछ करने पर वाहन चोरी कर उसे ट्रांसपोर्ट नगर शिव मंदिर के पीछे नहर किनारे छिपा करना स्वीकार किया।

दुर्ग जिले में 850 एनएचएम स्वास्थ्य कर्मियों के हड़ताल का ऐसा असर

जिला व सुपेला अस्पताल में बीपी, शुगर की जांच नहीं पोटियाकला, फरीदनगर, राजीवनगर क्लीनिक भी बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

हरिभूमि लाइव

बुधवार को दुर्ग जिले के 850 एनएचएम स्वास्थ्य कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने से स्वास्थ्य सेवाएं गड़बड़ा गई। जिला अस्पताल में जिला पोषण पुनर्वास केंद्र में ताला लटका रहा। यहां बीपी, शुगर की काउंसलिंग नहीं हो पाई। भिलाई के लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला में भी यही स्थिति रही। टीबी यूनिट पूरी तरह बंद मिला। नेत्ररोगियों की जांच ही नहीं हो पाई। दोनों ही अस्पताल की केजुअलिटी आम दिनों की अपेक्षा आधे स्टॉफ के भरोसे चला।

जिला अस्पताल - दोपहर 12 बजे

जिला अस्पताल का एनसीडी काउंटर बंद मिला। एक तरह से यह बीपी, शुगर व अन्य बीमारी वाले मरीजों की ओपीडी है। इसलिए कि पहले यहां हर दिन आने वाले मरीजों की कांउलिंग की जाती है और उसके हिसाब से जांच के लिए भेजा जाता है। हर दिन करीब 400 मरीजों की कांउलिंग होती है।

ईसीजी, बीपी जांच केंद्र बंद समय दोपहर 12.22 बजे

डॉक्टरों की ओपीडी के पास ही जिला अस्पताल में ईसीजी, बीपी जांच कक्ष है। इस कक्ष में बाहर से कुंडी लगी मिली। एक भी स्टॉफ नहीं था। मरीज रामकुमारी, सुरेश साहू ने बताया कि जांच के लिए सुबह 10 बजे से इंतजार कर रहे हैं। हड़ताल पर यहां के कर्मचारी हैं।

केजुअलिटी, एनएसआईसीयू में आधे स्टॉफ दोपहर 1.30 बजे

जिला अस्पताल के केजुअलिटी और नवजात शिशु गहन ईकाई में आधे स्टॉफ नजर आए। एनएसआईसीयू में तीन शिफ्टों में पूरा स्टॉफ एनएचएम कर्मचारी का है। केजुअलिटी में भी ज्यादातर स्टॉफ एनएचएम के हैं। मरीजों का कहना है कि यहां आने वाले कई मरीजों को हायर सेंटर हड़ताल की जानकारी देकर चलता कर दिया।

तीन हमर क्लीनिक से लौटे मरीज

हमर क्लीनिक बड़ी मुश्किल से चल रहे हैं। स्लम एरिया के लोगों को इस क्लीनिक के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करवाना है। ये क्लीनिक एमएचएम कर्मचारियों के भरोसे चल रहे हैं। हड़ताल की वजह से एक भी कर्मचारी यहां नहीं रहे और क्लीनिक की ओपीडी बंद हो गई। फरीदनगर भिलाई, पोटियाकला दुर्ग और राजीवनगर का हमर क्लीनिक में हड़ताल की सूचना चस्पा कर दी गई थी। इसलिए लोगों को वापस लौटना पड़ा।

हड़ताल पर रहे एनएचएम कर्मचारी

फैक्ट फाइल

जिला अस्पताल	104
शास्त्री अस्पताल	28

केंद्र पर लटका ताला समय दोपहर 12.10 बजे

मरीज की जुबानी

मेरा नाम प्रेमिन बाई यादव है। मैं खुरसुल से आई हूं। मेरे बच्चे यश को डॉक्टरों ने तीन महीने के बाद आज के दिन बुलाया था। पर्ची भी मेंरे पास है। यहां कई घंटे से बैठी हूं लेकिन डीआईसी में ताला बंद है। खुलने का इंतजार कर रही हूं। कुछ लोग इधर से गुजरे तो बता रहे हैं कि यहां काम करने वाले हड़ताल पर बैठे हैं। घर चले जाओ। फिर कभी आना।

अर्बन एरिया के पूरा स्टाफ हड़ताल पर

अर्बन एरिया का एनएचएम स्टॉफ हड़ताल पर चला गया है। उनकी वजह से आंगनबाड़ी और स्कूलों में बच्चों की जांच नहीं हो पाई। ये बच्चों की जांच करते हैं और सिविल अस्पताल, जिला अस्पताल व सामुदायकि स्वास्थ्य केंद्रों में उन्हे इलाज के लिए भेजते हैं। सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी मरीजों को भटकना पड़ा।

लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला, सुबह 11 बजे

एनसीडी काउंटर बंद

शास्त्री अस्पताल सुपेला में एनसीडी कांउटर बंद मिला। यहां के दो स्टॉफ हैं और दोनों हड़ताल पर चले गए थे। ये रोजाना 100 मरीजों की काउंसिलिंग करते हैं। जिसमें से 25 मरीजों की बीपी व शुगर की जांच रोज हो पाती थी। यह नहीं हो पाई। डेंटल में एक ही असिस्टेंट एनएचएम स्टॉफ है। वह नहीं थी। इसलिए रूट केनाल सहित दांतों की चिकित्सा नहीं हो पाई। डॉ. अंजली सिंह दांतों की जांच ही कर पाई।

टीबी यूनिट रहा बंद, 12 स्टॉफ हड़ताल पर मिले समय सुबह 11.10 बजे

सुपेला के इस अस्पताल में सबसे ज्यादा एनएचएम कर्मचारी टीबी यूनिट में है। पूरे 12 स्टॉफ हड़ताल पर रहे। रोजाना इस यूनिट में 5 से 10 लोगों की जांच और दवाई दी जाती है। पुराने मरीज ज्यादातर होते हैं इसलिए दूसरा स्टॉफ उन्हे टेकल नहीं करता। केजुअलिटी में दो एनएचएम नर्स और ओटी में एक मेल एनएचएम स्टॉफ हड़ताल पर चला गया। जिसकी वजह से यहां की स्वास्थ्य सेवाओं पर असर दिखाई दिया।

आज करेंगे विधानसभा का घेराव

एनएचएम कर्मचारियों ने जिला स्तर पर बुधवार को हड़ताल किया। 17 जुलाई को विधानसभा घेराव करने रायपुर जाएंगे। उनकी मुख्य मांगे समान कार्य समान वेतन है। उनका कहना है कि उन्हें भी नियमित कर्मचारियों की तरह ग्रेड पे, जाब सुरक्षा, अनुकंपा नियुक्ति, चिकित्सा अवकाश, मेडिकल बीमा जैसी आवश्यक सुविधाएं भी मिलनी चाहिए। आंदोलन में एनएचएम के जिला अध्यक्ष डॉ. आलोक शर्मा, डॉ. ओ पी वर्मा, योगेश चंद्राकर, ललित कुमार साहू, कविता ताम्रकार, हिमांशु चंद्राकर,पूजा शर्मा, नेहा वर्मा, हिमरानी साहू, त्रिलोक चंदए,वेगु गजपाल,रविना सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

"रेगुलर स्टॉफ से हुआ काम

जिला अस्पताल से 108 एनएचएम कर्मचारी हड़ताल पर गए हैं। उनकी जगह रेगुलर स्टॉफ की ड्यूटी दे रहे हैं। मरीजों का पूरा इलाज हो ऐसा प्रयास हमारा है।

- डॉ. एके मिंज, सिविल सर्जन जिला अस्पताल

"आधे से चला काम

हमारे यहां 28 एनएचएम कर्मचारी हड़ताल पर गए हैं। कुछ विभाग ज्यादा प्रभावित हैं। कोशिश हो रही है कि मरीजों को वापस लौटना न पड़े।

- डॉ. पियम सिंह, प्रभारी सुपेला अस्पताल

शिव महापुराण कथा का मुख्यमंत्री व विधानसभा अध्यक्ष को दिया आमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

श्रावण मास के पावन अवसर पर शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा एक बार फिर जयंती स्टेडियम में 30 जुलाई से 5 अगस्त तक शिव कथा सुनाएंगे। शिव महापुराण कथा के आयोजक, बोल बम समिति के संस्थापक संरक्षक व भिलाई निगम के उपनेता प्रतिपक्ष दया सिंह ने आमंत्रण कार्ड वितरण का शुभारंभ भगवान गणपति के चरणों में कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रथम आमंत्रण सिद्धिविनायक श्री गणेश जी को समर्पित किए और सहपरिवार आमंत्रित किया गया, तत्पश्चात भिलाई-3 चरौदा स्थित हनुमान मंदिर में भी आमंत्रण अर्पित किया गया।

दया सिंह राजधानी रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ विधानसभा पहुँचे, जहाँ उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रण कार्ड भेंट किया। मुख्यमंत्री साय एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने इस आयोजन के लिए दया सिंह को बधाई और शुभकामनाएं दी साथ ही आश्वस्त किया कि वे शिव महापुराण कथा में जरूर शामिल होंगे।

घर के बाहर खड़ी एक्टिवा में लगाई आग, अपराध दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

घर के सामने रखे एक्टिवा को आग लगाने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने युवक के खिलाफ अपराध कायम किया है। दुर्ग कोतवाली पुलिस ने बताया कि गंजपारा पुलगांव नाका चौक दुर्ग निवासी वैशाली रामटेके ने शिकायत किया है कि उसकी एक्टिवा सीजी 07 सीवाई 0204 को अपने घर के पास में रखी थी। इस दौरान 14 जुलाई की रात पडोसियो के आवाज लगाने पर बाहर निकली तो देखा कि उसकी एक्टिवा में आग लगी हुई है। तब पानी डालकर बुझाई गई। एक्टिवा में आग राजसोनी नामक युवक ने लगाई। आग लगाकर युवक मौके से फरार हो गया। घटना के पहले राज सोनी का अमन ठाकुर के बीच गंजमंडी चौक मे विवाद हुआ था। तब राज सोनी ने धमकी दी थी कि एक्टिवा में आग लगा दूंगा। एक्टिवा की कीमत 83 हजार रुपए आंकी गई है।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई

9300663610, 7489348301

बच्चियां मिली 12 और 14 साल की दो लड़कियों को पुलिस ने खोज निकाला

दो नाबालिग लड़कियां धोखे से पहुंच गई माया नगरी पुलिस ने रेस्क्यू करने के साथ कराया मुंबई दर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दुर्ग पुलिस ने भिलाई से गुम हुई दो बच्चियों को खोजकर ना सिर्फ उनके माता पिता के पास सकुशल पहुंचाया है, बल्कि बच्चियों की इच्छा पूरी करने के लिए अपने खर्च पर माया नगरी मुंबई का दर्शन भी कराया।

जानकारी के मुताबिक कैंप 1 अर्जुन नगर निवासी 12 और 14 साल की दो लड़कियां दोनों आपस में सहेली हैं। उनकी मां पावर हाउस रेलवे स्टेशन के पास टोकनी बनाकर बेचने का काम करती है। दोनों बच्चियां 11 जुलाई की शाम मां से मिलने पावर हाउस गई थीं।

स्टेशन में एक बूढ़ी औरत ने टोकनी खरीदी और बच्चियों से कहा कि उसे ट्रेन में चढ़वा दे। बच्चियां टोकनी लेकर जैसे ही ट्रेन में चढ़ी ट्रेन चल दी और रफ्तार पकड़ ली, इससे वो उतर नहीं पाईं और सीधे नागपुर पहुंच गईं। वहां उन्हें दूसरे प्लेटफार्म में एक ट्रेन खड़ी दिखी वो दोनों उसमें चढ़ गईं। दोनो चढ़ी तो भिलाई आने के लिए थीं, लेकिन वो ट्रेन उन्हें सीधे मुंबई लेकर चली गई।

अगले दिन 12 जुलाई को बच्ची के परिजन वैशाली नगर थाने पहुंचे और उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। थाना प्रभारी अमित अंदानी ने एसएसपी दुर्ग विजय अग्रवाल को इसकी सूचना दी। एसएसपी ने तुरंत रेलवे में इसकी सूचना जारी कराई। मुंबई आरपीएफ ने दुर्ग पुलिस को बताया कि दोनों बच्चियां उन्हें मिल गई हैं। इसके बाद वैशाली नगर पुलिस के कांस्टेबल जितेंद्र सोनकर और श्रेया राजपूत मुंबई पहुंचे। दोनों बच्चियों को सकुशल भिलाई लाकर 16 जुलाई को परिजनों के हवाले किया गया। दोनों ही लड़कियां सुरक्षित हैं।

इच्छा पूरी करने कराया मुंबई दर्शन

दुर्ग पुलिस की टीम जब बच्चियों का रेस्क्यू करने मुंबई पहुंची तो बच्चियों ने रिकवेस्ट किया कि उन्हें मुंबई घूमना है। इसके बाद जितेंद्र और श्रेया ने अपने अधिकारी से इसकी अनुमति ली और फिर उन्हें मुंबई दर्शन कराया उसके बाद उन्हें लेकर भिलाई आई।

परिजनों ने जताया पुलिस का आभार

बच्चियों के परिजनों ने दुर्ग पुलिस का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह यकीन नहीं था कि पुलिस इतनी जल्द उनकी बच्चियों को खोज निकालेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस ना सिर्फ बच्चियों को सकुशल उनके पास पहुंचाया बल्कि उन्हें मुंबई भी घुमाया।

अग्रसेन प्रा. आई.टी.आई

BHILAI | DHANORA

• ELECTRICIAN 2 Year (10th Pass)

• FITTER 2 Year (10th Pass)

• C.O.P.A. (Computer) 1 Year (10th Pass)

Affiliated By : N.C.V.T & D.G.E.T. New Delhi (Govt. of India)

भारतीय सेना में कार्यरत/ भूतपूर्व सैनिकों के परिवार एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए संपूर्ण फीस में 25 % की छूट

REGISTRATION OPEN

कुरुद रोड कोहका, भिलाई, जिला - दुर्ग (छ.ग.)

89595-93949 • 89595-44444

अग्रसेन एजुकेशन कैम्पस, ग्राम-धनोरा, जिला - दुर्ग (छ.ग.)

89595-93934 • 89595-44444

खबर संक्षेप

समिति की बैठक 18 जुलाई को

दुर्ग। अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1995 एवं संशोधन नियम 2016 के क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक कलेक्टर की अध्यक्षता में 18 जुलाई को 4 बजे कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित किया गया है। बैठक में पुलिस विभाग एवं विशेष लोक अभियोजक की पिछली त्रैमासिक बैठक का पालन प्रतिवेदन पर चर्चा, पुलिस विभाग द्वारा दर्ज प्रकरणों एवं विशेष लोक अभियोजक के न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी। उक्त बैठक में सभी संबंधितों को उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

अशांति फैलाने पर युवक पर कार्रवाई

राजनांदगांव। अशांति फैलाने के आरोपी को पुलिस ने पकड़कर कार्रवाई की है। पुलिस सूत्रों के अनुसार 15 जुलाई को चौकी चिखली में आम जनता की शिकायतों पर बदमाशों पर अंकुश लगाने हेतु पेट्रोलिंग कार्रवाई के दौरान अभियान के तहत अनावेदक गुलशन ताम्रकर 20 साल ग्राम बोरी को चौकी चिखली के मारपीट के अपराध में गिरफ्तार कर पृथक से धारा 170, 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत कार्रवाई कर न्यायालय राजनांदगांव में पेश किया गया।

एक बाइक में 4 सवार पुलिस ने की कार्रवाई

राजनांदगांव। एक बाइक चार लोग सवार होकर घूम रहे थे, जिन पर कार्रवाई की गई। वहीं अशांति फैलाने वाले के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार असामाजिक तत्वों के विरूद्ध चलाए जा रहे सतत अभियान के तहत 15 जुलाई की संध्या चिखली चौकी क्षेत्र में अड्डेबाजी करने वाले नशेड़ी व्यक्तियों एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए चौकी चिखली पेट्रोलिंग पार्टी, लालबाग पेट्रोलिंग पार्टी एवं लाइन से प्राप्त बल के साथ संयुक्त रूप से क्षेत्र में सघन पेट्रोलिंग कर रहे थे। इस दौरान असामाजिक तत्व मिले। जिसमें नाबालिकों को समझाईश देकर उनके घर वालों के सुपुर्द कर आवश्यक कार्रवाई किया गया।

शहर की बदलेगी तस्वीर, इंदिरा मार्केट और गुरुद्वारा सड़क का होगा चौड़ीकरण

38 करोड़ के कामों को मंजूरी, 500 सीटर लाइब्रेरी सह रीडिंग जोन परिसर का भी होगा निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ दुर्ग

शहर की तस्वीर जल्द बदलने वाली है। शहर की प्रमुख सड़कों का चौड़ीकरण होने वाला है। इसके लिए करीब 38 करोड़ रुपए की स्वीकृति राज्य शासन से मिली है। इसमें दो प्रमुख सड़कों राजेंद्र पार्क से शहीद चौक और इंदिरा मार्केट से शहीद चौक होते हुए आईएमए सड़क को फोरलेन किया जाएगा। इस पर 19 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा शहर के कुछ अन्य विकास कार्यों को मंजूरी दी गई है। इसमें 500 सीटर लाइब्रेरी सह रीडिंग जोन शामिल है। शहर विधायक गजेंद्र यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इन कार्यं की स्वीकृति प्रदान की। इन कार्यों में सिकोला नाला का सुदृढ़ीकरण शामिल हैं। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री और गृहमंत्री अरुण साव का आभार व्यक्त किया है।

नगर उत्थान योजना और अधोसंरचना मद से जुटाई गई राशि

जानकारी के मुताबिक स्वीकृत कार्यों के लिए मुख्यमंत्री नगर उत्थान और अधोसंरचना मद से राशि जुटाई गई है। स्वीकृत कार्यों में साईंस कॉलेज के पास जीई रोड से स्टेशन रोड निर्माण के लिए 5.50 करोड़, सिकोला नाला निर्माण के लिए 3 करोड़, स्टेशन रोड से शहीद चौक तक 800 मीटर फोरलेन निर्माण के लिए 9.75 करोड़, राजेन्द्र पार्क चौक से शहीद चौक होते हुए आईएमए चौक तक चौड़ीकरण एवं फोरलेन निर्माण के लिए 9.27 करोड़, सेंट्रल लाईब्रेरी सह रीडिंग जोन परिसर 500 सीटर के लिए 11.42 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है।

विकास कार्य अधोसंरचना की नींव

विधायक गजेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर आभार व्यक्त किया। यादव ने कहा कि यह स्वीकृति केवल एक विकास कार्य नहीं, बल्कि दुर्ग की आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत अधोसंरचना की नींव है। शिक्षा, यातायात और नगरीय व्यवस्था के क्षेत्र में यह पहल दुर्ग को प्रदेश के अग्रणी शहरों में स्थान दिलाएगी।

गड़बड़झाला : दस्तावेज गायब होने से मान्यता को लेकर उठ रहे सवाल

जिले के 560 स्कूलों को दी मान्यता शिक्षा विभाग से प्रपत्र ही हैं गायब

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिलाई

सूचना के अधिकार में मान्यता प्रपत्र नहीं होने का खुलासा

जिला शिक्षा विभाग के मान्यता सेक्शन में मान्यता प्रपत्र नहीं है। विभाग ने जिले के 560 निजी स्कूलों को मान्यता प्रदान की है। मान्यता नर्सरी से लेकर बारहवीं तक संचालित स्कूलों को दी गई है। उसके बाद भी प्रपत्र व सर्टिफिकेट नहीं होना कई संदेहों को जन्म दे रहा है। इसका खुलासा तब हुआ जब सूचना के अधिकार में इसकी जानकारी मांगी गई।

जिले में बिना मान्यता के चल रहे हैं 47 नर्सरी स्कूल

जिले में 47 नर्सरी स्कूल ऐसे हैं जो बिना मान्यता के चल रहे हैं। इन स्कूलों को मान्यता नहीं मिलने से आरटीई के बच्चों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। राज्य सरकार के आदेश के बावजूद भी नर्सरी स्कूलों को मान्यता देने की प्रक्रिया विभाग ने प्रारंभ नहीं की है। जिसका नुकसान उन बच्चों को उठाना पड़ रहा है जो आरटीई के तहत प्रवेश लेते हैं। भिलाई- दुर्ग में तो यह हाल है कि बीएसपी क्वार्टर, शॉप और निजी मकान में तक नर्सरी की कक्षाएं चलाई जा रही है। जबकि वर्ष 2013 में ही तत्कालीन शिक्षा सचिव केआर पिस्दा ने नर्सरी स्कूल संचालन के लिए मान्यता लेने के लिए आदेश जारी किया था। आदेश का पालन नहीं होने के बाद यह मामला वर्ष 2016 में कोर्ट चला गया। जनयाचिका दायर की गई है। इस मामले की सुनवाई हाल ही में 11 जुलाई को हुई है। जिसमें हाईकोर्ट ने वर्तमान शिक्षा सचिव को एफीडेविट फाइल करने का आदेश दिया है।

जानिए कि किसलिए हैं प्रपत्र महत्वपूर्ण

किसी भी स्कूल को मान्यता देने के लिए

जिला शिक्षा विभाग के मान्यता सेक्शन में एक प्रिंटेंड प्रपत्र जारी किया जाता है। इस प्रपत्र को संबंधित स्कूलों द्वारा भरवाया जाता है। प्रपत्र में स्कूल के नाम, बच्चों की दर्ज संख्या, शिक्षकों की संख्या, खेल मैदान, फर्नीचर, पेयजल सहित नार्म्स के हिसाब से अन्य जानकारी होती है। इस प्रपत्र का वेरीफिकेशन मान्यता देने के पहले जिला शिक्षा विभाग संबंधित नोडल अधिकारी से करवाता है। नोडल अधिकारी की मौके पर वेरीफिकेशन रिपोर्ट के आधार पर स्कूल को मान्यता प्रदान की जाती है। इसका रिकार्ड शिक्षा विभाग के मान्यता सेक्शन में होना अनिवार्य है ताकि जब कभी किसी के द्वारा आब्जेक्शन आए तो उस आधार पर आगे की प्रक्रिया पूरी की जा सके।

मैदान व सुविधाएं नहीं ऐसे स्कूलों को मान्यता

जिन स्कूलों को मान्यता प्रदान की गई है उन स्कूलों में नार्म्स का पालन हुआ है या नहीं यह प्रपत्र से ही खुलासा हो सकता था। लेकिन सेक्शन में दस्तावेज के नहीं होने से संबंधित सेक्शन की निष्पक्षता पर ही सवाल खड़े हो रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि इस सेक्शन में ऐसे स्कूलों को भी मान्यता दी गई है जिन स्कूलों में बच्चों के खेलने के लिए कोई जगह या मैदान ही नहीं है। दुर्ग और भिलाई के गली-कूचों में ऐसे स्कूल खुले आम चल रहे हैं। जो भीतरी मुहल्लों के सड़क किनारे हैं और बच्चों की जान जोखिम में होती है। ऐसे भी स्कूल हैं जहां कमरे मापदंड के अनुरूप नहीं है।

प्रथम अपीलीय ने यह दिया जवाब

सूचना के अधिकार में निजी स्कूलों की मान्यता प्रपत्र की जानकारी मांगी गई। जानकारी में प्रथम अपीलीय अधिकारी व सहायक संचालक संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग दुर्ग केके शुक्ला ने बताया है कि जिला शिक्षा विभाग द्वारा मान्यता प्रपत्र उपलब्ध नहीं होना बताया गया है। जिसकी वजह से प्रकरण बंद करने की सूचना भी सूचना के अधिकार में जानकारी प्राप्त करने वाले को दी गई है।

निगम नहीं कर रहा सुरक्षा ऑडिट

राज्य ने नगरनिगमों को शैक्षणिक संस्थानों का सुरक्षा ऑडिट के लिए आदेश जारी किया है। जिसमे नर्सरी से लेकर स्कूल और कॉलेज व कोचिंग संस्थाएं शामिल हैं। बावजूद इसके शैक्षणिक संस्थानों की सुरक्षा ऑडिट नहीं की जा रही है।

आदेश का पालन

राज्य से मिले आदेश के हिसाब से ही मान्यता के काम चल रहे हैं। आगे भी उसी के हिसाब से कार्य होंगे। **-अरविंद मिश्रा,** डीईओ दुर्ग

स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ दुर्ग

जिले के स्वास्थ्य विभाग में फैली अनिमियता और लापरवाही के खिलाफ बुधवार को कांग्रेस सीएमएचओ दफ्तर के बाहर प्रदर्शन किया। पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, पूर्व सभापति राजेश यादव और प्रेमलता साहू के नेतृत्व में कांग्रेस नेता कार्यालय के बाहर जुटे। इस दौरान ज्ञापन सौंपकर व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की गई। इस विरोध में न केवल विभागीय गड़बड़ियों को उजागर किया गया, बल्कि पीड़ितों के न्याय और व्यवस्था में सुधार की ठोस मांग भी रखी गई। बाकलीवाल ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 184 संविदा पदों की भर्ती प्रक्रिया प्रदेश के हजारों युवाओं की उम्मीद से जुड़ी हुई थी। लेकिन जिस तरह से इस परीक्षा को तय समय से मात्र 15 मिनट पहले रद्द कर दिया गया, वह केवल प्रशासनिक असफलता नहीं, बल्कि बेरोजगारों के साथ किया गया मज़ाक है। उन्होंने बताया कि इस भर्ती में अपात्र व्यक्ति को मेरिट में टॉपर बनाया गया था। जब मामले का खुलासा हुआ तो आनन-फानन में पूरी प्रक्रिया रद्द कर दी गई। इससे पहले भी चतुर्थ श्रेणी की भर्ती में पासवर्ड हैकिंग और डाटा छेड़छाड़ की बात सामने आई थी, जिसे बिना किसी जांच के रद्द कर दिया गया और जिम्मेदार अधिकारियों पर आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई।

■ सीएमएचओ को सौंपा ज्ञापन

हमर लैब का लाभ जनता को नहीं मिल रहा

बाकलीवाल ने कहा कि जिला अस्पताल का हमर लैब, जिसमें 116 प्रकार की जांचें होनी चाहिए, अब केवल 30 से 35 जांचों तक सिमट गई है। इससे आम मरीजों को निजी लैब्स में महंगी जांच कराने को मजबूर होना पड़ रहा है। अस्पताल में पिछले छह महीने से मनोचिकित्सक की नियुक्ति नहीं हुई है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह ठप पड़ी हैं। मातृ शिशु अस्पताल में टीकाकरण की व्यवस्था भी लचर है। अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं बदहाल हैं। इस दौरान पार्षद दीपक साहू, भास्कर कुंडले, ज्ञानदास बंजारे, पूर्व पार्षद भोला महोबिया, पोषण साहू, दुष्यंत देवांगन, विजय चंद्राकर, संजू धनकर, गौरव उमरे, प्रदेश संयोजक चिराग शर्मा, आनंद कपूर ताम्रकार, गोलू गुप्ता, शिशिरकांत कसार सहित अन्य मौजूद थे।

महा-लक्ष्मी मार्केट परिसर में रोपे गए पौधे महापौर अलका ने सहेजने दिलाया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▸▸ दुर्ग

सावन माह पर नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा पर्यावरण संरक्षण को समर्पित एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत महा-लक्ष्मी मार्केट, पुलगांव चौक, वार्ड 55 में पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम में दुर्ग नगर निगम की महापौर अलका बाघमार ने गुलमोहर और नीम सहित विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर महापौर ने कहा प्रकृति के बिना व्यक्ति का अस्तित्व संभव नहीं है।

हमें विकास के साथ प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना चाहिए। हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह पेड़ लगाकर प्रकृति की आराधना करें। उन्होंने कहा कि एक वृक्ष लगाना केवल एक पौधा रोपना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ व सुरक्षित पर्यावरण की नींव रखना है। यह अभियान न केवल पर्यावरणीय सुरक्षा का संदेश देता है, बल्कि प्रकृति से भावनात्मक जुड़ाव को भी प्रोत्साहित करता है। महापौर श्रीमती बाघमार ने पौधों की देखभाल का जिम्मा स्वयं उठाने और नागरिकों से भी अपील की कि वे अपने घर, गली व मोहल्ले में अधिकाधिक वृक्ष लगाएं और उन्हें जीवित व संरक्षित रखें। कार्यक्रम में नरेंद्र बंजारे, देव नारायण चन्द्राकर, काशीराम कोसरे, शेखर चन्द्राकर, निलेश अग्रवाल, हर्षिका जैन, पार्षद अश्वनी निषाद, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, राहुल पंडित, अनिल सिंह सहित महा लक्ष्मी मार्केट के व्यापारी उपस्थित रहे।

■ गुलमोहर, नीम सहित विभिन्न प्रजाति के रोपे पौधे

जस गायक पूरन साहू का कलाकारों ने किया सम्मान

दुर्ग। पूरन जस झाँकी परिवार छत्तीसगढ़ द्वारा ग्राम-अंजोरा गुरूपूर्णिमा मनाया गया। जिसमें गुरूदेव, गीतकार जस सम्राट पूरन साहू से भेंट मुलाकात कर सभी शिष्यों ने उनका आशीर्वाद लिया। गुरूदेव पूरन साहू को मोमेंटो देकर मंडलियों का सम्मान किया गया । इस अवसर पर कलाकारों द्वारा मातारानी का भजन एवं गुरू की महिमा का बखान किया गया । कार्यक्रम में 50 मंडलियां शामिल थीं। जिसमें रायपुर, राजनांदगांव, धमतरी, बालोद, बेमेतरा, खैरागढ़, दुर्ग आदि की मंडलियां शामिल हैं। अतिथि के रूप में लोक संस्कृति जस झाँकी संघ जिला दुर्ग गीतकार यशपाल सरवरिहा, भवानी नायक, सचिव दुर्वासा मेश्राम, कोषाध्यक्ष अविनाश सपहा, जस गायक राजेश सिन्हा, जस गायक खिलेश यादव, लोक गायक ईश्वर पटेल एवं साथ ही साथ पूरन जस झाँकी परिवार छत्तीसगढ़ अध्यक्ष हेमंत सिंह चौहान, उपाध्यक्ष दुर्गेश यादव, सचिव रिंकू बादशाह, कोषाध्यक्ष दीपक पंचाग, व्यवस्थापक कैलाश पटेल, संगठन प्रभारी डोमन साहू, मिडिया प्रभारी टिकेंद्र कलिहारी आदि उपस्थित थे ।

कलेक्टर ने पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता और वितरण की स्थिति का लिया जायजा

कलेक्टर ने किया शा. प्रा. शाला पुलगांव का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ दुर्ग

जिले के स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्राप्त पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता और वितरण की स्थिति का जायजा लेने कलेक्टर अभिजीत सिंह ने पुलगांव स्थित शासकीय प्राथमिक शाला का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने उपस्थित समग्र शिक्षा अधिकारी सुरेन्द्र पाण्डेय एवं प्राचार्य से पाठ्यपुस्तक वितरण संबंधी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बच्चों की पढ़ाई किसी भी स्थिति में बाधित न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने शिक्षकों से पाठ्यक्रम की प्रगति, कक्षा संचालन की प्रक्रिया और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए प्रशासन पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक विद्यालय में सभी विद्यार्थियों तक पाठ्य पुस्तकों की आपूर्ति समय पर और सुनिश्चित रूप से की जाए।

■ पाठ्य पुस्तकों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश

रेड क्रास सोसाइटी की साधारण सभा 18 को

दुर्ग। इंडियन रेडक्रास सोसायटी नई दिल्ली के राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा 18 जुलाई सुबह 11 से 12 बजे राष्ट्रपति भवन, कल्चरल सेंटर नई दिल्ली में वार्षिक साधारण सभा की बैठक आहूत की गई है । उक्त वार्षिक साधारण सभा की बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य के प्रतिनिधिमंडल में दुर्ग जिले से प्रदेश के रेडक्रास सोसायटी के राज्य प्रबंध समिति के सदस्य युवराज देशमुख रेडक्रॉस की राष्ट्रीय वार्षिक साधारण सभा बैठक में सम्मिलित हो रहे है । युवराज देशमुख रेडक्रास में लगभग 20 वर्षों से अधिक समय से सक्रिय रहते हुये समाज सेवा, स्वास्थ्य शिविर सेवा, रक्तदान, वृक्षारोपण, सहित कई सामाजिक कार्य किये है। राज्य गठन के दुर्ग जिले से पहली बार रेडक्रॉस सोसायटी का सदस्य इंडियन रेडक्रास सोसायटी नई दिल्ली के राष्ट्रीय वार्षिक साधारण सभा में भाग ले रहे है ।

अल्पकालीन कृषि ऋण को अनिवार्य बीमाकृत किया जाएगा

उद्यानिकी फसलों में मौसम आधारित फसल बीमा 31 तक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ दुर्ग

राज्य शासन कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा उद्यानिकी फसलों में पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना अंतर्गत खरीफ मौसम में फसल बीमा कराने हेतु 31 जुलाई तक समय सीमा तय की गई है। उद्यानिकी फसलों की खेती कर रहे किसानों को विपरीत मौसम जैसे कम तापमान, अधिक तापमान, बीमारी अनुकूल मौसम, कीट व्याधियों का प्रकोप, लगातार अवर्षा की स्थिति निर्मित होना ओला वृष्टि आदि से होने वाले नुकसान से बचाने पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा लागू की गई है।

■ फसल नुकसान बचाने किया गया है लागू

ज्ञात हो कि योजना के अंतर्गत ऋणी कृषकों के लिये विकल्प चयन (ऑप्ट आउट) के आधार पर क्रियान्वित होगी। ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हे भारत सरकार द्वारा जारी चयन (ऑप्ट आउट) प्रपत्र अनुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र बीमा आवेदन की अंतिम तिथि के 7 दिवस पूर्व तक संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। निर्धारित समय-सीमा में हस्ताक्षरित घोषणा पत्र जमा नहीं करने पर संबंधित बैंक द्वारा संबंधित मौसम के लिये स्वीकृत, नवीनीकृत की गई अल्पकालीन कृषि ऋण को अनिवार्य रूप से बीमाकृत किया जायेगा। इस मामले में बैंक द्वारा किसी भी प्रकार की चूक, त्रुटि होने पर संबंधित बैंक किसानों के स्वीकार्य दावों के भुगतान करने के लिये उत्तरदायी होगी।

ये है प्रक्रिया

उप संचालक उद्यान जिला दुर्ग से प्राप्त जानकारी के अनुसार खरीफ वर्ष 2025 में जिले अन्तर्गत बीमा कराने वाले कृषकों को अधिसूचित फसल के अनुसार निर्धारित कुल बीमित राशि का अधिकतम 5 प्रतिशत अथवा वास्तविक प्रीमियम जो भी कम हो राशि कृषक अंश के रूप में ऋणी एवं अऋणी दोनों प्रकार के कृषकों को जमा करने होंगें। अऋणी कृषक फसल लगाने का स्वघोषित प्रमाण पत्र, नक्शा खसरा, आधार कार्ड अपने बैंक पासबुक की छाया प्रति जिसमें आईएफएससी कोड इत्यादि का उल्लेख हो, जमा कर बीमा करा सकते है।

आईएमए ने डॉ. उदय को चिकित्सक पुरस्कार से किया सम्मानित

भिलाई। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) मुख्यालय द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर नई दिल्ली स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स, इंडिया (आईटीपीआई) में आयोजित सम्मान समारोह बीएसपी के चिकित्सक डां. उदय कुमार को प्रखर व्यक्तित्व चिकित्सक पुरस्कार से सम्मानित किया गय। मुख्य अतिथि केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिक राज्य मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह थे। कार्यक्रम में माननीय कैबिनेट मंत्री परवेश वर्मा विशिष्ट अतिथि तथा दिल्ली विधानसभा के सदस्य डॉ. अनिल गोयल ने चिकित्सा क्षेत्र में डाक्टरों के असाधारण योगदान, निस्वार्थ सेवा और मानवता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। डॉ. उदय को यह सम्मान उनकी चिकित्सकीय सेवा, सामाजिक प्रतिबद्धता, और उत्कृष्ट कार्यशैली के लिए प्रदान किया गया। इस पुरस्कार से सम्मानित होने पर डॉ. उदय कुमार ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान न केवल मेरे लिए, बल्कि पूरे जवाहर लाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसन्धान केंद्र, भिलाई की पूरी टीम के लिए गर्व का विषय है। इस अवसर पर आईएमए के पूर्व राष्ट्रय अध्यक्ष डॉ. दिलीप भानुशाली, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिलकुमार जे. नायक व सचिव डॉ. सरबारी दत्ता डॉ. पीयूष जैन भी उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

धौराभाठा के चंद्राकर को सरपंचों ने चुना अध्यक्ष

पाटन। जनपद पंचायत पाटन के तहत शामिल ग्राम पंचायतों के निर्वाचित सरपंच अपना अपना अध्यक्ष चुन रहे है। विश्राम गृह पाटन में सरपंचों की बैठक रखी गई जिसमें सर्व सम्मति से ग्राम धौराभाठा के सरपंच विनय चंद्राकर को सरपंच संघ का अध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष कीर्ति नायक, उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, नारद साहू,मंडल अध्यक्ष रानी बंछोर, कमलेश चंद्राकर, कमलेश साहू, खेमलाल साहू आदि मौजूद थे।

निधन

सुदर्शन बहल

भिलाई। नेहरू नगर, पूर्व ब्लॉक 2ए/36ए और सपना टॉकीज के मालिक भिलाई निवासी सुदर्शन बहल का निधन 16 जुलाई को हो गया। उनका अंतिम संस्कार 17 जुलाई को 12.30 बजे राम नगर मुक्तिधाम में होगा। वे सरोज के पति और सपन बहल के पिता थे।

सुशीला देवी

भिलाई। श्री जगन्नाथ मंदिर सेक्टर 6 के सदस्य अमरेश पाढ़ी के माता सुशीला देवी का निधन 15 जुलाई को हो गया। उनका अंतिम संस्कार 17 जुलाई को रामनगर मुक्तिधाम में किया जायेगा। वे अमरेश, अशोक पाढ़ी, अजीत पाढ़ी व अतित पाढ़ी की मां थीं।

पुरातत्व एवं पर्यटन विभाग से नहीं मिल रहा अपेक्षित सहयोग

कौही शिवलिंग और काली मंदिर में सुविधाओं की कमी, भटकते हैं श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

पाटन के विभिन्न ग्रामों में अनेक पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक धरोहर मौजूद है। इनमें कौही खारून नदी के तट पर स्थित स्वयंभू शिवलिंग व काली मंदिर रमणीय प्राकृतिक वातावरण के बीच यहाँ उसके अलावा अन्य कुल 30 ऐतिहासिक मन्दिर पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। जिनके दर्शनार्थ एव पर्यटन के लिए प्रतिदिन दूर दूर से लोग पहुंचते हैं। हर वर्ष महाशिवरात्री पर तीन दिवसीय विशाल मेला व सावन के अंतिम दिवस बोलबम समिति के द्वारा रुद्राभिषेक , सवा लाख पार्थिव शिवलिंग व नवरात्रि में मनोकामना हेतु ज्योति प्रज्वलित की जाती है । स्वयं भू शिव की इस भूमि में पर्यटन हेतु पहुंचने वाले लोगों के लिए पर्यटक सुविधाओं की दरकार है। मगर पुरातत्व एव पर्यटक विभाग द्वारा इस स्थल को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने अपेक्षित सहयोग नही मिल पा रहा है। सावनमास में भगवानशिव जी के दर्शन के लिए आस पास के बोलबम व श्रद्धालुओं रात से पहुंच कर सुबह से जल अभिषेक व पूजा अर्चना करते है।

पुरातात्विक और ऐतिहासिक धरोहर मंजूर, संरक्षण की जरुरत

शोध का विषय है काली मंदिर

गांव के बुजुर्गों की सुनी हुई किवदंतियों के मुताबिक शिव-काली, श्रीराम, एकादशी, दक्षिणमुखी हनुमान, भैरव बाबा एव चण्डी मंदिर का निर्माण डेढ़ दो सौ साल पूर्व का है। इसमें स्वयं शिवलिंग एवं काले पत्थर से निर्मित काली की मूर्ति काफी पुरानी है। यह पुरातत्व विभाग के लिए यहाँ शोध का विषय है। बुजुर्गों के अनुसार यहा के जागीरदार तीन चार साल वर्ष भगवान स्वयंभू शिव स्थापित किए गए। ग्रामीणों ने बताया कि आज तक उनकी विशालता के बारे में पूरी जानकारी किसी को नहीं है। लोगों ने बताया कि सौ साल पूर्व विशाल प्रसाद के पुत्र मोहन प्रसाद उर्फ मोहनानद को भगवान शिव ने स्वप्न में कहा कि खारुन नदी तट पर में वहाँ छाया बनाकर पूजा अर्चना करो।

बहाव के विपरित जलमार्ग से लाई गई काली मां की प्रतिमा

पूर्वजों की किवंदतियों के मुताबिक मोहनानंद प्रसिद्ध ताँत्रिक थे। जिन्होंनें कलकत्ता से रायपुर काले पत्थर से निर्मित काली मां की मूर्ति को रेल से लाया रायपुर से खारुन नदी जलमार्ग होते हुए पानी के बहाव के विपरीत नाव से कौही तक लाई गई। यहाँ पर मंदिर में उसे स्थापित की गई काली मंदिर द्वार पर दो पत्थर की पट्टिका लगी हुई है। इसमें से एक पर 'विशाल प्रसाद की जय जिसने हमरों पैदा किया मोहन प्रसाद' लिखा हुआ है। वही दूसरी पट्टी की लिपि अलग है जो शोध का विषय है। 1960 में किया गया था जीर्णोद्धार ग्रामीणों के अनुसार मोहना नंद द्वारा स्थापित उम्त मंदिरों का सन 1960 में भुवनलाल गजेन्द्र ने जीर्णोद्धार कराया था। यहां सामाजिक व धार्मिक आयोजन 1960 से जारी है। खारून नदी तट पर सुंदर प्राकृतिक वातावरण वाले इस स्थल पर साल भर विभिन्न समाजों- संस्थाओं द्वारा विविध सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन चलता है। स्वयंभू शिव लिंग मंदिर के पीछे ही एक बावली स्थित है। समिति व गामीणो के सहयोग से भव्य हनुमानजी का मूर्ति के लिए भूमिपूजन किया है। समिति के अध्यक्ष योगेश्वर साहू , सरपंच लीना सुरेश साहू , हेमलाल साहू राजेश साहू, ईश्वर यादव मुकेश साहू नोशन सिन्हा, नरायन साहू डॉ सन्तोष साहू, तामेश्वर साहू सूर्यकांत वर्मा, सुपेला सरपंच चेतन देवांगन, आस पास ग्रामों के ग्राम के युवा व बुर्जेगों के सहयोग से सभी धार्मिक आयोजन में सहयोग प्रदान किया जाता है। पूर्व मुख्यमंत्री, विधायक पाटन भूपेश बघेल, सांसद दुर्ग विजय बघेल एवं पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर, पर्व जिला उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री के विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू का भी सहयोग रहता है।

धान के पौधों संग खेतों में बढ़ी फिर से हलचल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

ग्राम सिपकोना बरसात की पहली धार के साथ ही गांव के खेतों में फिर से हलचल बढ़ गई है। सिपकोना ग्राम में जब आसमान से बूंदें बरसीं, तो किसानों ने राहत की सांस ली और उसी पल से शुरू हो गई धान की बियासी और रोपा लगाया गया है।

इन खेतों में कोई छुट्टी नहीं, कोई समय सीमा नहीं। सूरज जब तक सिर पर रहता है, किसान झुककर धरती मां की कोख में हरियाली बोता है। महिलाएं और पुरुष, दोनों साथ मिलकर खेतो में धान रोपाई का काम करते है किसान धान का हर पौधा सिर्फ अन्न नहीं है, वह एक उम्मीद है एक बेहतर कल की।

जब इन पौधों से खेत भर जाएगा, तब इसी फसल से घरों में चूल्हे जलते है और , बच्चों की फीस भरी जाएगी, त्यौहार मनाए जाएंगे।इस बार मानसून ने समय पर दस्तक दी है। किसानों के अनुसार, यदि ऐसे ही बारिश बनी रही और सरकार की ओर से खाद-बीज की आपूर्ति समय पर होती रही, तो इस साल फसल बंपर हो सकती है। ग्रामीण महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। खेतों में उनका योगदान सिर्फ काम का नहीं, बल्कि संस्कार और समर्पण का भी प्रतीक है। वे जानती हैं कि उनका एक-एक पौधा पूरे परिवार की मुस्कान का आधार है। ग्राम सिपकोना के किसान अब बस यही चाहते हैं कि समय पर बिजली मिले, बीज और खाद की किल्लत न हो, और मंडी में फसल का सही दाम मिले। उनके हिस्से की मेहनत वो कर चुके हैं।

बिजनेस साइट

सहेली ज्वेलर्स गांधी चौक दुर्ग में द बिगेस्ट गोल्ड चेन फेस्टिवल का लें आनंद

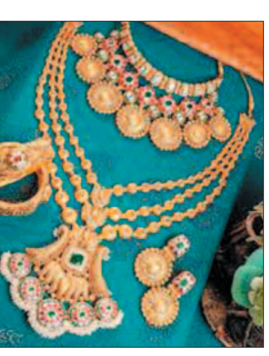

दुर्ग। सहेली ज्वेलर्स के गांधी चौक दुर्ग, सिविक सेंटर भिलाई और बीएसपी मार्केट रिसाली स्थित शो रुम में 11 जुलाई से शुरू हुए 'द बिगेस्ट गोल्ड चेन फेस्टिवल' में गोल्ड चेन की अद्भुत कलेक्शन ग्राहकों के लिए पेश किया गया है। 27 जुलाई तक चलने वाले इस 'द बिगेस्ट गोल्ड चेन फेस्टिवल' में सभी आभूषणों के मेकिंग चार्जेज 5.5% शुरू हैं इसके साथ ही गोल्ड और डायमंड ज्वेलरी पर 100% एक्सचेंज के साथ डायमंड ज्वेलरी मेकिंग चार्जेस पर 100% तक की छूट दी जा रही है। उल्लेखनीय है कि सहेली ज्वेलर्स के तीनों शो रूम में ट्रेडिशनल और मॉडर्न डिजाइन के हैवी और लाइट वेट ज्वेलरी सोने, हीरे, चांदी सहित कुंदन, पोलकी, डायमंड, जड़ाउ, टेम्पल ज्वेलरी के मनमोहक और लेटेस्ट डिजाइन के आभूषणों के साथ शो रूम में चेन और मंगलसूत्र के आकर्षक और लेटेस्ट डिजाइन के साथ ही बैंगल्स, ब्रेसलेट, रिंग्स, नेकलेस आदि का संग्रह उपलब्ध है। इसके साथ ही 100 प्रतिशत आईजीआई प्रमाणित डायमंड, गोल्ड की शुद्धता को मापने के लिए कैरोटोमीटर की सुविधा ग्राहकों को दी जाती है। 'द बिगेस्ट गोल्ड चेन फेस्टिवल' में सभी प्रकार के पारंपरित और डिजाइनर चेन की खरीदारी के लिए सहेली ज्वेलर्स के गांधी चौक दुर्ग, सिविक सेंटर भिलाई और बीएसपी मार्केट रिसाली स्थित शो रुम में विजिट किया जा सकता है।

भिलाई में बंसल ब्रदर्स की 'इंडियन फैशन सेल' को जबरदस्त प्रतिक्रिया

भिलाई। सिटी के सिविक सेंटर स्थित लोकप्रिय फैशन स्टोर बंसल ब्रदर्स की ओर से चल रही 'इंडियन फैशन सेल' को स्थानीय ग्राहकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। "बाइ 1 गेट 1 फ्री" पार्टी ड्रेस पर, "बाइ 2 गेट 1 फ्री " कुर्ती/टॉप्स पर, और 995 में कुर्ती सेट/साड़ी, 350 में कुर्ती व 299 में जीन्स जैसी ऑफर्स ने खासतौर पर महिलाओं को खूब आकर्षित किया है। अन्यथा बाकी सभी वस्तुओं पर 50% तक की छूट। बंसल ब्रदर्स के प्रवक्ता ने कहा, "हम हमेशा गुणवत्ता के साथ सस्ते दाम देने का प्रयास करते हैं। इस बार भी हमने पोस्टर में जो दिखाया, वही दिया यही हमारी सफलता का राज है।" इसके साथ ही बेडशीट, डोहरे, ड्रेस मटेरियल, कुर्ता-पजामा, शर्टिंग-सूटिंग आदि पर भी 50% तक की छूट दी जा रही है। यदि आपने अब तक इस सेल का लाभ नहीं उठाया है, तो देर न करें। यह सीमित समय के लिए है, और स्टॉक सीमित है।

बीएम कॉलेज और बीएम आईटीआई दुर्ग में प्रवेश शुरू, विद्यार्थी जल्द ले एडमिशन

भिलाई। बीएम कॉलेज, गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग छग, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग से मान्यता प्राप्त संस्था है जिसके अंतर्गत - बीसीए, बीबीए, पीजीडीसीए एवं बीएड कोर्स संचालित है। बीएड के लिए कॉलेज कोड- 114336 है। बीएड प्रवेश की प्रक्रिया काउंसलिंग के द्वारा होगी। बीएम प्राइवेट आईटीआई, एनसीवीटी दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था है जिसके अंतर्गत ट्रेड- कोपा, इलेक्ट्रीशियन, फायर टेक्नोलॉजी एंड इंडसट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट, डीजल मैकेनिक, हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर एवं स्टेनो हिंदी कोर्स संचालित है। फायर टेक्नोलॉजी एंड इंडसट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट की डिमांड नगर-निगम, रेलवे तथा बड़े-बड़े मॉल्स, हॉस्पिटल, रिफाइनरी फैक्ट्री तथा अन्य एवं हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर की डिमांड नगर निगम तथा रेलवे डिपार्टमेंट में है। राज्य के 10 जिलों में फायर स्टेशन की स्थापना होना है जिसमें दुर्ग, रायपुर एवं बिलासपुर जिला भी शामिल है। संस्था द्वारा आरक्षित वर्ग हेतु छात्रवृत्ति की सुविधा भी उपलब्ध है। छात्र अपनी सुविधानुसार ट्यूशन फीस को किस्तों में भी जमा कर सकते हैं।

शैलदेवी महाविद्यालय दुर्ग में प्रवेश जारी

भिलाई। शैलदेवी महाविद्यालय, अंडा, दुर्ग, में बीए गृह विज्ञान, भूगोल, बीकॉम, बीएससी एवं बीसीए के लिए प्रवेश जारी है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बीए एवं बीकॉम के विद्यार्थियों के लिए मुख्य विषय के अलावा कंप्यूटर फंडामेंटल व एमएस ऑफिस के साथ-साथ इलेक्ट्रीशियन (रोजगारपरक पाठ्यक्रम) की कक्षाएं भी संचालित की जा रही है। बीएससी के विद्यार्थियों को मुख्य विषय के अतिरिक्त गृह विज्ञान/अर्थशास्त्र व इलेक्ट्रिशियन की पढ़ाई भी कराई जा रही है। बीसीए के विद्यार्थियों को मुख्य विषय के अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ इलेक्ट्रीशियन ट्रेड भी पढ़ाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि शैलदेवी महाविद्यालय में संचालित बीसीए पाठ्यक्रम एआईसीटीई द्वारा स्वीकृत है। उपरोक्त पाठ्यक्रम सिर्फ शैलदेवी महाविद्यालय में ही संचालित है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में एम.कॉम, एम.एस.सी. (रसायन) व एम.एस.सी. (कंप्यूटर विज्ञान) में भी प्रवेश जारी है। महाविद्यालय में एम.एस.डब्ल्यू. (मास्टर ऑफ सोशल वर्क), बी.लिब, योगा में डिप्लोमा के साथ-साथ डी.सी.ए. व पी.जी.डी.सी.ए. जैसे रोजगार उन्मुखी पाठ्यक्रम भी संचालित होते हैं। शिक्षा संकाय के अंतर्गत बी.एड., डी.एल.एड., बी.एस.सी. बी.एड. की कक्षाएं भी महाविद्यालय में संचालित होती है। शैलदेवी महाविद्यालय, दुर्ग ग्रामीण अंचल का एक नैक ए ग्रेड प्राप्त उत्कृष्ट महाविद्यालय है।

ओम ज्वेलर्स को मिल रहा अच्छा प्रतिसाद

भिलाई। शहर के हृदय स्थल इंदिरा मार्केट प्रिया श्रृंगार सदन के सामने शॉप नंबर 64बी में स्थित ओम ज्वेलर्स दुर्ग अपने ग्राहकों के हितों के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। जहां आपको मिलता है भारत सरकार द्वारा **huid** पास टोटल हॉलमार्क के गहनों का विशाल रेंज उपलब्ध है। जिसमें नये व पुराने ग्राहकों को 100 प्रतिशत संतुष्टी निश्चित होकर गहने खरीद सकते हैं। साथ ही गहनों मे टूट फुट की 2 साल की रिपेरिंग फ्री की सुविधा उपलब्ध है। लाइट वेट से अधिकतम वेट की ज्वेलरी में सोने के नेकलेस, झुमका, बाली, एरिंग टॉप्स, रानी हार, चोकर.चांदी में पायल कमरबंद, बाजूबंद बिछिया, ऑल सोने चांदी की एक से बढ़कर एक वैरायटियों का नई-नई डिजाइन का विशाल रेंज उपलब्ध है। वहीं दूल्हे दुल्हन के लिए खास टूर बैग, इम्पोर्टेन्ट वॉच, जितना सोना उतना चांदी फ्री ग्राहकों की तत्काल गिफ्ट दिया जाता है। जैसे अपने पुराने सोने को नये जैसे बनाए वो भी बिना नुकसान के बिना वजन कम हुए तत्काल, पुराने सोने चांदी की 100 प्रतिशत मूल्यों के साथ वापसी, पुराने सोने-चांदी का तत्काल रिपेरिंग, मंगलसूत्र गुथायी 0 चार्जेबल पर, किसी भी गोल्ड के गहने पर 100 प्रतिशत वापसी, हमारी संस्थान में किसी भी प्रकार के गहने, जेवरों का पेमेंट घर से करने की सुविधा उपलब्ध, सभी प्रकार की चेक स्वीकार किए जाते हैं।

कांवड़ यात्रा की तैयारी, बैठक में दी जवाबदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुम्हारी

कुम्हारी में बोल बम कांवर यात्रा समिति के संयोजक जितेन्द्र वर्मा की उपस्थिति में एक बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें सावन के पवित्र माह में प्रतिवर्ष होने वाली कांवड़ यात्रा हेतु योजना बनाई गई साथ ही समिति के सदस्यों को विभिन्न दायित्व व जिम्मेदारी प्रदान की गई।

- 28 जुलाई को जन सहयोग से होगी भक्तिमय यात्रा

बोल बम कांवर यात्रा समिति के संयोजक जितेंद्र वर्मा ने बताया कि भगवान शंकर के आशीर्वाद और भक्तजनों के सहयोग से इस वर्ष भी कांवर यात्रा का आयोजन सावन के तीसरे सोमवार यानी 28 जुलाई को ₹सर्वे भवंतु सुखिनः एवं जल संरक्षण₹ के पावन उद्देश्य को लेकर निकाला जाएगा। जल की महत्ता को देखते हुए इस बार ₹सर्वे भवंतु सुखिनः एवं जल संरक्षण₹ की कामना को लेकर कांवर यात्रा निकालकर टोलाघाट में रुद्राभिषेक एवं जलाभिषेक किया जाएगा। आगे उन्होंने कहा कि गांव–गांव में तैयारी को लेकर बैठक करने के लिए प्रभारी बनाए जा रहे है। इसी प्रकार कुम्हारी में भी आमंत्रण पत्र लेकर घर–घर जाएं और कांवर यात्रा के लिए लोगों को आमंत्रित करें। एक मुट्ठी दान भगवान शंकर के नाम से एकत्र चावल से महाप्रसादी बनेगा, इसे भी एकत्रित करे। जिसे भक्तों को प्रसाद के रुप में वितरित किया जाएगा। टोलाघाट में छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध लोकगायिका पायल साहू लोककला मंच ननकट्ठी की भक्तिमय एवं अनुपम प्रस्तुति का भव्य आयोजन भी रखा गया हैं। आज बैठक में प्रमुख रूप से बोलबम समिति पाटन के संयोजक एवं निवर्तमान जिलाध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा, भाजपा जिला भाजपा उपाध्यक्ष द्वय राजेन्द्र पाध्ये, दिलीप साहू, वरिष्ठ भाजपा राकेश पाण्डेय, कुम्हारी मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिन्हा, पी एन दुबे, गोल्डी गोस्वामी, महिला मोर्चा नेत्री तृप्ति चंद्राकर, योगिता वर्मा, पार्षद ओंकार मारकंडे, पी आई सी सदस्य उमाकांत साहू, उमेश्वरी साहू, सूरज यादव, उमेश साहू, गोविंद बघेल, तिलक परिहार सहित कुम्हारी क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्व.बिंदेश्वरी बघेल कॉलेज में लगाए पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुम्हारी

स्व. बिंदेश्वरी बघेल शासकीय महाविद्यालय, कुम्हारी में ₹एक पेड़ माँ के नाम 2.0₹ अभियान के तहत दो दिवसीय वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.श्रीमती सोनिता सत्संगी , सांसद प्रतिनिधि मिथलेश यादव , पार्षद आर. प्रवीण राव एवं महाविद्यालय के शैक्षणिक व अशैक्षणिक स्टाफ के सदस्य तथा बी.ए., बी.कॉम. एवं बी.एससी.संकाय के विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. सत्संगी ने वृक्षारोपण के महत्व को रेखांकित करते हुए पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे रोपे गए पौधों की निरंतर देखभाल कर उन्हें सजीव स्मृति के रूप में संरक्षित रखें। उनके प्रेरणास्पद शब्दों ने सभी उपस्थितजनों में पर्यावरणीय चेतना एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को और अधिक प्रबल किया। प्राचार्य ,विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयासों से यह आयोजन न केवल एक पर्यावरणीय पहल के रूप में, बल्कि मातृ-सम्मान और प्रकृति संरक्षण की दिशा में एक प्रभावशाली कदम के रूप में संपन्न हुआ।

मिले मोतियाबिंद के 5 मरीज

सेलूद। राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिर सेलूद में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग डॉ. मनोज दानी के आदेशानुसार एवं खंड चिकित्सा अधिकारी पाटन डॉ.भुवनेश्वर कठौतिया के मार्गदर्शन में नेत्र सहायक अधिकारी योग्या बंडी ने 43 मरीजो की नेत्र जांच के साथ साथ ब्लड प्रेशर और डायबीटिज की भी जांच की। जिसमें 5 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु जिला चिकित्सालय दुर्ग के लिये चिन्हित किये गए। इन सभी की प्रारंभिक जांच की गई। यहां 10 मरीज आंखों के अन्य संक्रमण तथा विटामिन ए की कमी और 18 मरीज रिफ्रैक्टिव एरर के पाए गए। सभी मरीजो को नेत्र सहायक अधिकारी योग्या बंडी ने उचित जांच के बाद परामर्श दिया । इन मरीजों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

पंचों ने देखी विधानसभा की कार्यवाही

उतई। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के नेतृत्व में ग्राम पंचायत खोपली एवं ग्राम पंचायत करगाडीह के सरपंच एवं पंचों ने विधानसभा की कार्रवाई देखी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से विधानसभा परिसर में दुर्ग ग्रामीण से आए ग्राम पंचायत खोपली के सरपंच मंजू फत्तेलाल वर्मा एवं करेगाडीह के सरपंच करण कुमार सेन ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। सरपंच एवं पंचों के सदस्यों ने विधानसभा परिसर के भ्रमण और सदन की कार्यवाही के अवलोकन के अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि यह उनके लिए एक प्रेरणादायक अवसर रहा। उन्होंने कहा

कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली को निकट से देखने का अवसर मिलना गौरवपूर्ण अनुभव है।इस अवसर पर सभी मंत्री विधायकगण उपस्थित रहे।

गुरु खुशवंत साहेब पर हमले के विरोध में तहसील सतनामी समाज का प्रदर्शन, निष्पक्ष जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

गुरु खुशवंत साहेब पर हुए हमले के विरोध में तहसील सतनामी समाज, पाटन द्वारा आज अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) पाटन को ज्ञापन सौंपा गया। समाज ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। साथ ही, आगामी 18 जुलाई को एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन की सूचना भी ज्ञापन के माध्यम से दी गई।

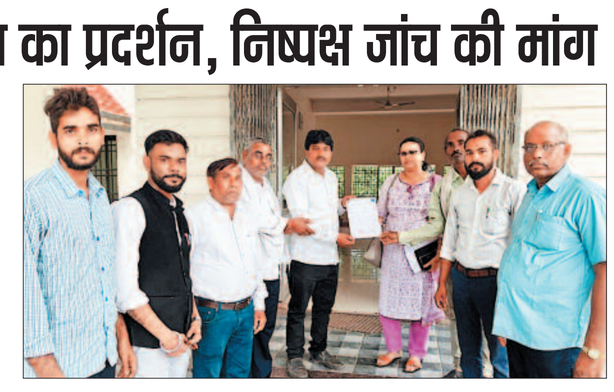

इस दौरान तहसील सतनामी समाज के अध्यक्ष संत राम कुर्रे, शितकरण महिलवार, रमेश कुर्रे, शिवनाथ बंजारे, मोती बघेल, सुमित मार्कण्डेय, प्रशांत कुर्रे एवं भूपेंद्र बघेल सहित समाज के अन्य सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि गुरु पर हुआ हमला समाज की आस्था पर हमला है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि जल्द ही कार्रवाई नहीं की गई तो समाज को मजबूरन उग्र आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। इसी प्रकार ग्राम सिपकोन्हा के सतनामी समाज के लोगो ने एस डीएम पाटन को ज्ञापन के माध्यम से जानकारी भी दी है सुमित मार्कण्डे, हर्ष डहरे, राजेश मार्कण्डे, भूपेंद्र बघेल, अहेन्द्र चेलक, दानेश मार्कण्डे,भक्तुराम गायकवाड़, मंशा राम बघेल,रमाकांत सिरमौर, बड़ी संख्या में समाज के प्रबुद्धजन, युवा एवम महिलाएं डॉ कमलेश बंजारे उपस्थित रहे।

स्वामित्व परिवर्तन की आम सूचना

एदत द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री धरम राज सिंह ठाकुर (आधार नं. 8764 7017 8349), S/o श्री जवाहर सिंह ठाकुर, पता- वार्ड नं. 09, ग्राम-बोटेबोड़, बोटेबोड़, जिला-बेमेतरा, छत्तीसगढ़- 491340, जो कि भिलाई इस्पात संयंत्र के भूखण्ड में निर्मित प्लाट / शॉप क्रमांक 16, सेक्टर- 8 मार्केट, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.), के लाइसेंस धारक है, जिसका आबंटन आदेश क्रमांक 159, दिनांक 01.02.1988 है। ने उक्त दुकान का मलबा / ढांचा का स्वामित्व श्री आकाश चौहान (आधार न.3742 4119 7263), S/o श्री संजय चौहान, पता शॉप न. 17, सेक्टर-8 मार्केट, भिलाई, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़ -490006, के नाम हस्तांतरण करने हेतु इस कार्यालय में दिनांक 01.04.2025 को आवेदन प्रस्तुत किया है।

उक्त दुकान क्रमांक 16, सेक्टर- 8 मार्केट, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) के मलबे/ढांचे तत्संबंधी हस्तांतरण एवं लीज़ नामांतरण पर यदि किसी व्यक्ति, वारिसान, व्यक्तियों, शासकीय/अशासकीय कार्यालयों, बैंको, वित्तीय निकायों आदि को कोई आपत्ति उजर हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति/दावा इस कार्यालय में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर मूल दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकते है । म्याद / अवधि समाप्त हो जाने के बाद प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय के मुहर से आज दिनांक 15.07.2025 को जारी किया गया।

(महेन्द्र कुमार साहू)
महाप्रबंधक (दुकान लीज एवं लाइसेंस)
नगर सेवाएं विभाग भिलाई इस्पात संयंत्र

न्यायालय नायब तहसीलदार भिलाई-3 के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202507104300020

विषयः- अ-6 अ सनः- 2024-2025
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सिरसाकला (प ह न. 00007),
पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार सामदेव साहू,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है की आवेदक सामदेव साहू पिता असंख राम, निवासी- सेक्टर 10 भिलाई, के द्वारा ग्राम- सिरसाकला, प.ह.नं. 07, तहसील भिलाई 03, जिला-दुर्ग (छ.ग.) में स्थित भूमि खसरा नं. 182/2 रकबा 0.140 हे. आवेदक की माता उषा बाई के द्वारा क्रय की गई भूमि है, जिसे खसरा नं. 182/2 का टु. रकबा 0.055 हे. भूमि को क्रेता राही साहू का पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से विक्रय किया गया, बिक्री पश्चात शेष रकबा 0.085 हे. है। किन्तु वर्तमान आनलाईन अभिलेख में खसरा नं. 182/2 का रकबा 0.045 हे. त्रुटिवश दर्ज हो गया है। जिससे खसरा नं. 182/2 रकबा 0.045 हे. के स्थान पर खसरा नम्बर 182/2 का रकबा 0.085 हे. सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त प्रकरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को उजर दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से उपस्थित हो कर लिखित रूप में इस न्यायालय में नियत दिनांक 24.07.2025 तक दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 09/07/2025 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार
भिलाई-3 जिला दुर्ग (छ.ग.)

खबर संक्षेप

मकान से नकदी रकम समेत लाखों के जेवरात पार

भिलाई। सूने मकान का दीवार फांदकर चोरी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध कायम किया है। कुम्हारी पुलिस ने बताया कि शंकरनगर वार्ड 10 महामाया रोड कुम्हारी निवासी जनकलाल धनकर सेवानिवृत्त कर्मी है। 13 जुलाई को परिवार समेत मकान में ताला जड़कर रामपुर चोरहा गए थे। दुसरे दिन घर लौटने पर मकान का ताला टूटा पड़ा मिला। घर के भीतर प्रवेश करने पर सारा सामान बिखरा पड़ा मिला। आलमारी में रखा गया नगदी रकम 74 हजार रुपए ,12 तोला चांदी का हाफ करधन, 50 तोला चांदी का करधन, 20-20 तोला का 2 जोडी चांदी का पायल, 30 तोला चांदी का करधन, 25 तोला चांदी का हाथ का कडा, 9 माशा का सोने का झुमका, 3 माशा का सोने का ताबीज, 4 ग्राम सोने का कान की बाली पुरानी गायब मिला। उक्त सामानों की कीमत 56 हजार रुपए आंकी गई है। मकान से कुल 1 लाख 30 हजार हजार रुपए का चोरी हुआ है। अज्ञात चोर ने सारा बिल, रसीद लेकर गायब है।

सुस्वागत अगस्त पर 3 को प्रतिभा खोज परीक्षा

भिलाई। अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देशीय संस्था तथा ड्रीम इंडिया एकेडेमिक कुरुद के तत्वावधान में आजादी के 78 वीं वर्षगाठ तथा विराट विजय सिंदूर के उपलक्ष्य में 3 अगस्त को सुस्वागतम अगस्त का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर परएक ही छत के नीचे बच्चों के लिए बच्चों द्वारा बच्चों की प्रतिभा खोज के तहत पांच विषयों पर प्रतियोगिता का भव्य आयोजन होगा। इसमें देश भक्ति पर आधारित फैन्सी ड्रेस, गीत, कविता, ड्राइंग, भाषण, निबंध आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र व मेडल प्रदान किया जाएगा। श्रेणी के आधार पर विजेताओं को स्मृति चिन्ह व प्रमाणपत्र दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त विशिष्ट पुरस्कार भी रखा गया है। प्रतियोगिताओ में भाग लेने के लिए 31 जुलाई तक पंजीयन कराया जा सकता है।

मैत्रीबाग चिड़ियाघर में इकलौते हैं कई आकर्षक उम्र-दराज जानवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

कभी अपने विभिन्न प्रजातियों के आकर्षक वन्य प्राणियों के लिए प्रसिद्ध मैत्रीबाग जू में कई उम्रदराज जानवर और पक्षी सिंगल हैं। औसत आयु के करीब पहुंच चुके इन बेजुबां जानवरों की मौत के बाद कैज खाली हो जाएंगे। प्रबंधन द्वारा अब तक इनका जोड़ा नहीं लाए जाने से संबंधित नस्ल देखने से सैलानी वंचित रह जाएंगे। उल्लेखनीय है कि पचास साल पुराना बीएसपी का मैत्रीबाग जू छत्तीसगढ़ राज्य का पहला और अपनी तरह का इकलौता चिड़ियाघर है। इस कारण वर्षों से यह चिड़ियाघर पर्यटकों के मनोरंजन के साथ बच्चों के जू एजूकेशन के लिए भी जाना जाता है। लेकिन पिछले लंबे समय से यहां अन्य चड़ियाघरों से एक्सचेंज योजना के तहत नए वन्य प्राणी नहीं लाए गए हैं। इस दौरान पिछले वर्षों में कई आकर्षक व विलुप्तप्राय प्रजाति के वन्य प्राणी सिंगल हैं और वृद्ध हो चुके हैं। यदि जल्द ही इनके विकल्प के रुप में नए जानवर व पक्षी यहां नहीं लाए गए तो इनके कैज (पिंजरे) खाली हो जाएंगे। सैलानियों को भी इनके रोमांच से वंचित होना पड़ेगा। पर्यटकों ने बताया कि कुछ जानवर तो इतने बूढ़े हो चुके हैं कि उनके नाखून व दांत खिस चुके हैं और सुस्त पड़े रहते हैं। इनकी प्रजाति के नए वन्य प्राणियों के आने से संतति बढ़ने के साथ जू के रौनक भी बढ़ेगी। वृद्ध हो चुके प्रमुख वन्य प्राणियों में लायन (सिंह) पेंथर (तेदुआ) लकड़बग्गा, एक वाइट टाइगर (बाघ), स्टुअर्ड बर्ड, बस्तर का कड़कनाथ मुर्गा आदि हैं।

अन्य जू से नहीं लाए पेयर, नहीं बढ़ पाएगी संतति

जंगल का राजा लायन है अकेला

मैत्रीबाग में आज से 30 साल पूर्व लायन गीता व मोहन का एक जोड़ा नंदनकानन जू से यहां लाया गया था। इनके तीन बच्चे और बच्चों दो बच्चे हुए। लायन का कुनबा पर्यटकों के सर्वाधिक आकर्षण का केंद्र हुआ करता था। लेकिन पिछले दो साल से यहां एकमात्र नर लायन वृद्ध हो चुका है। युवावस्था में इसका कोई पेयर यहां नहीं लाया जा सका। अब करीबन औसत उम्र 16 वर्ष का हो चुके इस सिंह के बाद एनक्लोजर खाली हो जाएगा। यहां लायन देखने के लिए बच्चे तरस जाएंगे।

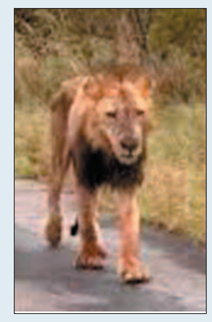

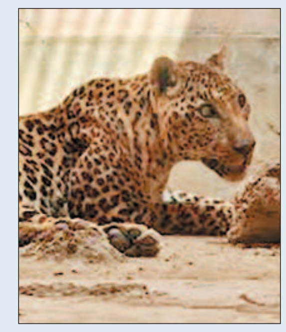

तेंदुआ का नहीं आया पेयर

मैत्रीबाग में एकमात्र तेंदुआ भी औषत उम्र के करीब है। अब तक इसका जोड़ा मैत्रीबाग नहीं लाया जा सका है। जानकारों के मुताबिक तेंदुआ की औसत आयु 14 से 15 साल होती है। मैत्रीबाग का इकलौता तेंदुआ 12 साल का हो चुका है। इसके चल बसने के बाद कुनबा नहीं बन पाएगा और पर्यटको को निराश होना पड़ेगा। पर्यटकों ने तेदुआ सहित नए आकर्षक जानवरों को यहां लाए जाने की मांग की है।

शेड, उद्यान व व्यायाम शालाओं का भी नगर निगम ने किया है निर्माण

टाउनशिप में बिना एनओसी के हो रहे बेतरतीब निर्माण, सेक्टर 6 में तन रही है दो मंजिला दुकान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

वर्षों से साफ -सुधरे और खुले स्पेस के लिए जाने जाने वाले बीएसपी टाउनशिप का स्वरुप अब धीरे धीरे बदल रहा है। दो दशक पूर्व सेक्टरी इलाके में हुई नगर निगम की इंट्री सालों पूर्व बने सुव्यवस्थित मास्टर प्लान के अनुरुप बनी मूल बसाहट को बेतरतीब कर रही है। इस दौरान निगम द्वारा जन सुविधा की दृष्टि से इस क्षेत्र में जहां कई बुनियादी निर्माण किए हैं वहीं बीएसपी की स्वीकृति (एनओसी) के बिना किए जा रहे अव्यवस्थित अनेक निर्माण कार्यों बीएसपी की स्वीकृति (एनओसी) के बिना किए जा रहे हैं। निर्माण से हजारों बीएसपी कर्मी रहवासियों को कई तरह की दिक्कतें आ रही हैं।

उल्लेखनीय है कि 1959 में भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना और उत्पादन शुरु होने के साथ हजारों बीएसपी कर्मचारियों के रहने के लिए टाउनशिप का निर्माण शुरु हो गया था। यूनियन सूत्रों के मुताबि पूरी टाउनशिप का निर्माण सिविल इंडो रशियन सिविल इंजीनियरों द्वारा बनाए गए मास्टर प्लान के तहत बीएसपी ने किया था। इसमें खुले एरिया, सीवेज,पार्किक ट्रैफिक, ग्रीन बेल्ट और आवाजाही व बड़े बड़े खेल मैदानों आदि का ध्यान रखा गया था। सभी तरह के निर्माण करना सिर्फ बीएसपी का अधिका था। लेकिन पिछले दो दशकों के दौरान नगर निगम द्वारा भी जन सुविधा के नाम पर किए जा रहे बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विकास व निर्माण कार्यों से सुव्यवस्थित टाउनशिप का मूल स्वरुप प्रभावित हो रहा है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि टाउनशिप में नगर निगम को किसी भी तरह के निर्माण का अधिकार नहीं है। इसके एनओसी(अनापत्ति प्रमाणपत्र) लेना अनिवार्य है। एनओसी भी सिर्फ संधारण के लिए दी जाती है निर्माण के लिए नहीं मिलती है। लेकिन वर्ष 1998 में राज्य सरकार द्वारा बीएसपी टाउनशिप को भी नगर निगम क्षेत्र के दायरे में लाए जाने के बाद से ही निगम प्रशासन द्वारा सत्तारुढ़ सरकार के जनप्रतिनिधियों के दबाव में जन सुविधा के नाम पर बेतरतबी तरीके से ताबड़तोड़ निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। इनमें कई निर्माण तो ऐसे हो रहे हैं, जिनके लिए नगर निगम भिलाई व रिसाली निगम ने एनओसी लेना भी जरुरी नहीं समझा। इनमें पानी टंकी, अनेक उद्यान, व्यायाम शालाएं, शेड, जन प्रतिनिधि के आफिस या दुकान, बोरिंग (हैंडपंप), पुलिया, आदि विभिन्न सेक्टरों में किए गए निर्माण कार्य शामिल हैं। इनमें से कई निर्माण के लिए बीएसपी ने नोटिस भी जारी किया है। इससे टाउनशिप में तरह तरह की दिक्कतें आ रही हैं,जो आगे बढ़ती जाएंगी।

बीएसपी निगम को दे चुका है नोटिस

सीवेज, ग्रीनरी व हवा की आएगी समस्या

नीट एंड क्लीन टाउनशिप में निगम और कब्जाधारियों द्वारा सेक्टर 6, सेक्टर 1 व रिसाली तथा टंकी मड़ौदा सहित कई सेक्टरों में व्यस्ततम स्थलों के निकट जगह जगह बेतरतीब निर्माण से लोगों की मुश्किलें शुरु हो गई हैं। इस पर ओए व यूनियनों ने भी अवैध निर्माण व कब्जों पर रोक लगाने की मांग की है। यूनियनों के मुताबिक अवैध निर्माण पर जल्द रोक नहीं लागए जाने से आवागमन, पार्किंग, पौधों की नर्सरी, सीवेज, वाटर सप्लाई लाइनें, स्कूलों, हेल्थ सेंटरों, इस्पात क्लबों व खेल मैदानों के आसपास खुले स्पेस की समस्या बढ़ेगी।

केस 1

बीएसपी ने की थी आपत्ति

रुआबांधा बस्ती में नगर निगम रिसाली द्वारा एक साल पूर्व सड़क से लगकर पानी टंकी (ओवरहेड टैंक) का निर्माण कर लिया। इस अवैध निर्माण बताते हुए बीएसपी ने आपत्ति भी दर्ज की थी लेकिन राजनीतिक दबाव के चलते जन सुविधा को संदर्भित करते हुए निगम ने कोई ध्यान नहीं दिया। सड़क किनारे टंकी निर्माण से आवाजाही व सीवेज की समस्या आ रही है।

केस 2

क्षेत्रवासियों ने किया पौधारोपण

सेक्टर 2 भिलाई विद्यालय के निकट नगर निगम द्वारा पार्षद के दबाव में शेड बनाने के लिए फाउंडेश डाल दिया गया। शिकायत पर बीएसपी के विभागीय तोड़ दस्ते ने निर्माण रुकवाकर समझाइश संबंधितों को समझाइश भी दी। अधूरी कांक्रीट की नींव पक्का निर्माण आगे भी प्रयास किया लेकिन ओए व क्षेत्रवासियों ने यहां पौधारोपण कर दिया।

केस 3

अवैध निर्माण रुकवाया

सेक्टर 6 ए मार्केट मैदान में तीन माह पूर्व दुकान कम आफिस के लिए दोमंजिला पक्का निर्माण शुरु किया गया। शिकायत पर बीएसपी ने मौके पर पहुंचकर इस निर्माण कार्य पर रोक लगाया। बताया गया कि बिना एनओसी के यह अवैध निर्माण एक जन प्रतिनिधि के लोगों द्वारा निगम के जरिए कराया जा रहा था।

विधानसभा में देवेंद्र ने उठाया प्रदेश में बढ़ते अपराधों का मुद्दा जलजीवन का मांगा हिसाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

- कार्रवाई केवल 30 से 35 प्रतिशत

भिलाईनगर विधायक देवेंद्र यादव ने विधानसभा सत्र के दौरान प्रदेश में बढ़ते अपराधों का मुद्दा उठाया। उन्होंने जल जीवन मिशन और कार्य एजेंसियों को काम पूरा होने से पहले किए जाने वाले भुगतान का मुद्दा उठाया। देवेंद्र ने कहा कि हत्या, बलात्कार, चोरी-डकैती, लूट, चाकूबाजी का अपराध बढ़ रही है। कार्रवाई सिर्फ 30 से 35 प्रतिशत में हो रही है।

दो साल के कार्य काल में प्रदेश में लगातार अपराध बढ़े है। सरकारी आंकड़े बता रहे हैं कि भाजपा के सरकार में दो साल में रायपुर में 844 संगीन अपराध हुए है। इसमें से 332 में ही गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई। इसी प्रकार दुर्ग में 2540 अपराध हुए इसमें 1007 पर कार्रवाई हुई।

बिलासपुर में 2794 मामले में से 1015, रागयगढ़ 1595 में से 775 और कोरबा 1620 में से 676 मामले पर ही पुलिस ने कार्रवाई की। उन्होंने अंत में आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा की सरकार में पुलिस के संरक्षण में अपराध फलफूल रहा है। अपराधी खुलेआम अपराध कर रहे हैं क्योंकि उन्हे शासन और पुलिस का भय नहीं है।

भिलाई की बच्ची को इंसाफ दिलाने उठाई आवाज, बनी जांच कमेटी

विधानसभा में विधायक देवेंद्र यादव ने भिलाई की बच्ची को इंसाफ दिलाने के आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले भिलाई की एक मासूम बच्ची जो स्कूल के आने के बाद स्पोर्ट्स खेल कर अपने घर जा रही थी। जिसे किसी कार चालक ने ठोकर मार दी। मामले पर कार्रवाई के लिए एसपी आईजी के पास गए। जांच कमेटी भी बनाई गई है। लेकिन बावजूद इस माह भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

ट्रैफिक पुलिस ने ऑटो पार्ट्स, एसेसरीज कारोबारियों की ली बैठक, हिदायत भी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

- सड़क हादसों में कमी लाने संभव सहयोग करने कहा गया

ट्रैफिक पुलिस ने बाइक में हेडलाईट के अलावा साईड साईड में रंग बिरंगे फैसी लाईट, फौग लाईट लगाया जा रहा है। जिसे लेकर ट्रैफिक एएसपी रिचा मिश्रा ने बताया कि इन सब के लगाने से वाहन चालक को वाहन चलाने के दौरान ध्यान भटकता है। सडक हादसों का यह भी बड़ा कारण है। मोडिफाई सायलेंसर, प्रेशर हार्न के उपयोग से तेज आवाज के कारण बगल से गुजरने वाले वाहन चालक अचानक तेज आवाज से हडबडा जाता है। वाहन चालक के अनियंत्रित होकर गिरने की संभावना बनी रहती है। सडक हादसों में होने वाली घटना में सडक हादसों को रोकने के लिए ऐसे सामान न बेचने की बैठक में बताई गई है। इस तरह के चालको पर ट्रैफिक पुलिस कार्रवाई करेगी। कार एसेसिरिज विक्रिय करने वाले संचालको को चार पहिया में काली पिल्म का उपयोग होने से अपराधिक घटनाओं में ऐसे वाहनों का उपयोग किया जाता है। इसलिए चार पहिया वाहन में किसी प्रकार का डार्क फिल्म का विक्रय न करें। पुलिस सायरन, मोनो लाईट का विक्रिय न करने समझाईस दी गई। और दुकान के सामने मुख्य मार्ग में वाहन खडा कर वाहन में कार्य न करे और मार्ग में बाधा उत्पन्न न हो। बैठक में सभी व्यापारियों द्वारा इस प्रकार के सामग्री वक्रिय नहीं करने अपनी सहमति प्रदान की गई।

बीएसपी के नए डायरेक्टर इंचार्ज महापात्रा ने पदभार ग्रहण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

- देर रात पहुंचे भिलाई निवास, कार्यपालक निदेशकों ने किया स्वागत

सेल की सबसे बड़े प्लांट भिलाई इस्पात संयंत्र के नवनियुक्त डायरेक्टर इंचार्ज चितरंजन महापात्रा ने बुधवार को देर रात दिल्ली से भिलाई पहुंचे। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में डीआईसी का पदभार ग्रहण किया। पदभार की वैधानिक औपचारिकता पर्सनल विभाग ने करवाई। श्री महापात्रा को लेने माना एयर पोर्ट पर्सनल विभाग के अधिकारी गए थे। नए डीआईसी के रात साढ़े दस बजे भिलाई निवास पहुंचने पर सभी कार्यपालक निदेशकों ने उनकी अगवानी की और बुके भेटकर भावभीना स्वागत कर नई जिम्मेदारी की शुभकामनाएं दीं।

बोकारो में ईडी रह चुके श्री अपने कुशल प्रबंधन व सादगी के लिए जाने जाने वाले महापात्रा ने बीएसपी के उत्पादन व फौलादी कार्य संस्कृति आज के अनुरुप तेजी आगे बढ़ाने का संकल्प जाहित किया। वे कल इस्पात भवन में ईडी व सीजीएम स्तर के अधिकारियों की औपचारिक बैठक लेंगे और प्लांट विजिट करेंगे। श्री महापात्रा पिछली बार अक्टूबर माह में महात्मा गांधी कला मंदिर की तीन दिनी स्टील कार्फ्रेंस आए थे।

एलबीएच कोच ब्रेक की जांच एफआईबीए डिवाइस टेस्टिंग गैजेट से होगी आसानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

- रेलवे के इस प्रयास से समय कम लगेगा
- एक कर्मी से होगा काम

रेलवे ने कोचिंग डिपो दुर्ग ने डिवाइस टेस्टिंग गैजेट का इन-हाउस निर्माण किया। गैजेट अप्रयुक्त व रिलीज्ड सामग्रियों का उपयोग करके तैयार किया गया है। इसकी कुल लागत केवल 7 हजार रुपए है। इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह गैजेट पूरी तरह से पोर्टेबल है। इसे पिट लाइन,आईओएच शेड, सिक लाइन, ओईएम लाइन जैसे किसी भी स्थान पर न्यूमैटिक सप्लाई के साथ आसानी से उपयोग में लाया जा सकता है। इसकी मदद से मात्र एक कर्मचारी भी एफआईबीए डिवाइस का परीक्षण आसानी कर सकता है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे फेल्यूर इंडिकेशन ब्रेक शन (एफआईबीए) डिवाइस आधुनिक एलएचबी कोचों में लगाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य ब्रेक सिस्टम में किसी भी असामान्यता की सूचना पर यात्रियों की सुरक्षा को बेहतर करता है। इस डिवाइस का सटीक और प्रभावी परीक्षण आवश्यक है। किसी भी डिफेक्टिव या ओवरहॉल किए गए एफअआईबीए डिवाइस का परीक्षण करने के लिए कोच से इसे खोलना पड़ता है। जिसमें 1 से 2 घंटे का समय लगता है, 2 से 3 कर्मियों की आवश्यकता होती है। गैजेट में प्रेशर वेसल (क्षमता 21 लीटर), तीन-पथ आइसोलेटिंग कॉक, ब्रेक इंडिकेटर, डुप्लेक्स चेक वाल्व, विभिन्न आकार के बॉल वॉल्व, बीपी, एफपी प्रेशर गेज माप की स्टेनलेस स्टील पाइपें उपकरण में शामिल हैं ।

तकनीकी समाधान विकसित

रेलवे के मुताबकनीकी नवाचार भारतीय रेलवे के आत्मनर्भिरता और नवाचार के विजन का सशक्त उदाहरण है। जिसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर तकनीकी समाधान विकसित कर सुरक्षित आधुनिक और कुशल रेलवे प्रणाली की दिशा में सतत प्रयास करना है। इसके अलावा मानव संसाधन की बचत और परीक्षण समय में कमी। एफआईबीए डिवाइस की परीक्षण प्रक्रिया सरल बनाना, पाइपिंग लेआउट में बिना किसी छेड़छाड़ के परीक्षण, कोचिंग स्टाफ, गार्ड के लिए प्रशिक्षण उपकरण के रूप में उपयोगी है।

रिसाली महापौर ने शिकायत के बाद दिए निर्देश

निर्माण कार्य में गड़बड़ी, फिर से बनेगा कॉलम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

रिसाली महापौर शशि सिन्हा और परिषद के सद्स्यों ने पुरैना के तीन वार्डो का भ्रमण किया। निर्माण कार्य से लेकर सफाई व्यवस्था को देखा। एनएसपीसीएल वार्ड 39 में जी.वी.पी. हटाने हो रहे निर्माण कार्य को देख एम.आई.सी. सद्स्यों ने आपति की। इसे देख महापौर शशि ने कालम को दोबारा खड़ी करने निर्देश दिए।

दरअसल वार्ड 39 में जी.वी.पी. प्वाइंट हटाने सौन्दर्यीकरण किया जा रहा है। कालम में 10 की जगह 8 इंच का सरिया देख महापौर परिषद के सद्स्यों ने आपत्ति की। इसे देख महापौर ने निर्माण कार्य करने वाले एजेंसी को न केवल फटकार लगाई, बल्कि कालम को दोबारा बनाने निर्देश दिए। महापौर ने स्टोर पारा व पुरैना बस्ती का भी निरीक्षण की। इस दौरान परिषद के सदस्य जहीर अब्बास, संजू नेताम, अनिल देशमुख, जमुना ठाकुर, रंजीता बेनुआ, रोहित धनकर आदि उपस्थित थे। मौके पर नगर पालिक निगम के प्रभारी अधिकारी भी मौजूद रहे।

पेवर ब्लॉक व्यवस्थित करें

निरीक्षण के दौरान स्टोर पारा में महापौर ने पेवर ब्लाक को व्यवस्थित तरीके से लगाने के निर्देश दिए। महापौर शशि ने निगम के अधिकारियों को निर्देश दी कि पेवर ब्लाक लगाने से पहले जगह का समतलीकरण कराया जाए। महापौर ने बाबाधाम के निकट बने सांस्कृतिक भवन में बिजली पंखा लगाकर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिए।

स्वच्छता पर कर्मचारी करें फोकस

महापौर ने निगम के अंतिम छोर पर बसे पुरैना के तीनो वार्डो में सफाई का विशेष ध्यान देने कहा। उन्होंने प्रतिदिन स्वच्छता मित्रों की उपस्थिति लेने और उपस्थित कर्मचारियों को ग्लब्स, गमबूट प्रदान कर नियमित सफाई कराने कहा।

नागरिकों ने की मांग

महापौर और परिषद के सद्स्यों ने पुरैना के नागरिकों से मुलाकात की। स्थानीय रहवासियों का कहना था कि ब्रम्हपुरिया मोहल्ला में स्वीकृत भवन निर्माण का स्थल बदला जाए। भवन निर्माण शा. प्रा. शाला के पास रिक्त भूमि पर बनाया जाए। साथ ही शिवमंदिर के पास निर्माणधीन भवन को शीघ्र पूरा कराने का अपील भी नागरिकों ने की।

निवेश का लालच देकर ठगी 36 लाख लेकर हुआ फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

निवेशको को स्कीम और लालच देकर ठगी करने वाले के खिलाफ पुलिस ने अपराध कायम किया। दुर्ग थाना प्रभारी तपेश्वर नेताम ने बताया कि क्वाटर न0 12/ए सडक न0 24 सेक्टर 2 निवासी साहिल धीर से रावत पुरा कालोनी फेस 2 मठपुरैना रायपुर निवासी बैजनाथ साहू न्यायालय परिसर दुर्ग 5 लाख रूपये लिया।जिसके एवज में साहिल को आरोपी एक्ट्रा इंकम प्रतिमाह 6 प्रतिशत देने का भरोसा दिलाने पर उसे रुपए को आरटीजीएस किया। रुपए देकर तीन माह होने के बाद लाभान्स पीड़ित को मिला। माह फरवरी 2025 से लाभान्स और मुल रकम को न देकर पीड़ित के साथ ठगी किया गया। आरोपी बैजनाथ साहू ने पीड़ित के अलावा नीलमणी, दिनेश कुमार खापार्डे, ईश्वर लाल देवांगन, सरिता सिन्हा, ज्ञानप्रकाश सिन्हा, मनीष साहू, जितेन्द्र तांडी, विपिन कुमार मांझी, अरूण विश्वकर्मा, नेहरू साहू, संतराम, सतीश यादव, खुशबू, रोहिणी से रकम लेकर फरार हो गया। परेशान लोगों ने बैजनाथ साहू के खिलाफ पुलिस में लिखित में शिकायत करने पर कार्रवाई की गई। आरोपी बैजनाथ साहू मार्केट एस्ट्रोलॉजी नामक संस्था खोलकर भोले भाले ग्राहकों को तरह-तरह का स्कीम व प्रलोभन देकर संस्था में निवेश कराया। लोगों से ठगी कर अमानत में खयानत किया है। उक्त सभी निवेशकों का कुल राशि 36 लाख 10 हजार रुपए है। जो आरोपी ने नहीं लौटाया है।

हरिभूमि लाइव

रायपुर, गुरुवार 17 जुलाई 2025

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

02

खादी का जादू

लाइव इवेंट

भिलाई-दुर्ग मरार पटेल महासंघ कार्यकारिणी ने ली शपथ,अध्यक्ष बने जोहित

भिलाई। भिलाई-दुर्ग मरार पटेल महासंघ का शपथ ग्रहण कार्यक्रम कन्हैया लाल पटेल मरार महासंघ छात्रावास कोहका में संपन्न हुआ। सेवानिवृत्त अपर संचालक राजेंद्र कुमार पटेल ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को समाज के प्रति निष्ठा और समर्पण भाव से कार्य करने की शपथ दिलाई गई। नव निर्वाचित कार्यकारिणी में अध्यक्ष जोहित पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष खोलबाहरा पटेल, अशोक पटेल, संरक्षक सुनील पटेल, ब्रम्हदेव पटेल, राजेंद्र कुमार पटेल, रामगुलाल पटेल, खेलूराम पटेल, बिंदु राम पटेल, लिलार सिंह पटेल, दुलेश पटेल, मोहन पटेल, केशव पटेल, मांगन राम पटेल, उपाध्यक्ष अशोक पटेल, नरसिंह पटेल, महासचिव डॉ. कृष्ण कुमार पाटिल, कोषाध्यक्ष दशरथ पटेल, उप कोषाध्यक्ष कमल नारायण पटेल, सुरेश चंद्र पटेल, सचिव विष्णु पटेल, ओम पटेल, प्रवीण कुमार पटेल, प्रचार सचिव कन्हैया लाल पटेल, दुष्यंत कुमार पटेल, ईश्वर पटेल, संगठन सचिव नरेश कुमार पाटिल, मनोहर पटेल, राजानंद पटेल, मीडिया प्रभारी मनेन्द्र कुमार पटेल, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष डिकेश्वरी पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष शांति पटेल, सुशीला पटेल, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष धर्मेन्द्र दीवान, कार्यकारी अध्यक्ष राजेश पटेल, रोहित पटेल आदि समाज जनों को प्रमुख रूप से स्थान दिया गया। इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों ने अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने और समाज सेवा में समर्पित रहने का संकल्प लिया। अध्यक्ष जोहित पटेल ने कहा हम उम्मीद करते हैं कि मरार समाज भिलाई के साथ-साथ पूरे राज्य के लिए एक मिसाल की तरह सामाजिक विकास को आगे लेकर जाएगा। महासचिव डॉ. कृष्ण कुमार पाटिल ने कहा कि सामाजिक विकास के लिए हमें हर संभव प्रयास करना चाहिए कि हम सामाजिक एकता को बनाए रखने में अपनी भरपूर सहयोग प्रदान करें। मीडिया प्रभारी मनेन्द्र कुमार ने बताया कि समाज को आगे ले जाने की दिशा में समय-समय पर आयोजन किये जाएंगे ताकि समाज के व्यक्ति एक-दूसरे से परिचित हो सकें।

लाइव इवेंट

वरिष्ठ नागरिक महासंघ की आमसभा एवं नई प्रबंधकारिणी का चुनाव 27 को

भिलाई। भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ की महत्वपूर्ण बैठक सियान सदन शांति नगर भिलाई में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर निर्णय लिया गया कि महासंघ की आमसभा 27 जुलाई को सुबह 11 बजे से सियान सदन शांतिनगर में आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही महासंघ की वर्तमान कार्यकारिणी का त्रिवर्षीय कार्यकाल पूरा होने के कारण नई प्रबंधकारिणी के लिए नियमानुसार चुनाव भी इसी दिन संपन्न होगा। इस हेतु महासचिव के द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष पुरुषोत्तम साहू ने महासंघ के वर्तमान पदाधिकारियों एवं सदस्यों के सक्रिय योगदान व उपलब्धियों की सराहना की तथा सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। बैठक के आरंभ में महासचिव गजानंद साहू ने वर्तमान कार्यकारिणी के कार्यकाल जुलाई में पूर्ण होने एवं नई कार्यकारिणी के त्रिवार्षिक चुनाव की प्रक्रिया संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की। उन्होंने सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का समाधान किया। बैठक में महासंघ के सभी 95 आजीवन सदस्यों की जानकारी देकर उनका परिचय कराया गया। बैठक को संबोधित करते हुए महासंघ के सलाहकार घनश्याम कुमार देवांगन ने कहा कि समय देने वाले सक्रिय एवं योग्य सदस्यों को ही चुनाव में महत्वपूर्ण पदों पर निर्वाचित कर जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। इसके लिए आमसहमति बनाकर चुनाव किया जा सकता है। बैठक में उपाध्यक्ष बलबीर सिंह सहगल, संगठन सचिव जे. आर. साहू, वरिष्ठ सदस्य रतनलाल गोयल, बाबूलाल साहू, हुकुमचंद देवांगन, नामदेव राव मोरे आदि ने भी विचार व्यक्त करते हुए अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस अवसर पर एमएल कश्यप, अनंत राम वर्मा, गोविंद पाल, पुरानिकराम देवांगन, सुखीराम जांगड़े, गरीबदास साहू, सुशीला बाई, दुलारदास साहू, जे. नागभूषण राव, अनमोल सिंह सिन्हा, दुबेलाल सेन आदि मौजूद थे।

डॉ. साजिद अंसारी को पीएचडी

भिलाई। संजय रुंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रशासन डॉ. साजिद अंसारी को छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। डॉ. अंसारी ने अपने शोध कार्य में आईओटी विषय पर महत्वपूर्ण अनुसंधान किया है। उनका शोध आधारित डिवाइसेज़ में डेटा सुरक्षा के लिए नवीन तकनीकी समाधान प्रस्तुत करता है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर चेयरमैन संजय रूंगटा ने कहा कि यह हमारे संपूर्ण संस्थान के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है। शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

● आसपास के खतरों को पहचानने और उनके उपाय को लेकर एक अनोखा आयोजन, प्रतिष्ठित संस्थानों ने की शिरकत

यमराज का यमलोक के ड्रामा और सॉन्ग ने मचाई धूम, सेफ्टी सर्कल से जुड़ी देशभर की 99 टीमों के 600 से ज्यादा प्रतिभागियों ने लिया भाग

क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इण्डिया के भिलाई चेप्टर द्वारा श्री शंकराचार्य टेक्नीकल कैम्पस, भिलाई के मुख्य सभागार में सेफ्टी सर्कल के दो दिवसीय चेप्टर कन्वेंशन का भव्य आयोजन किया गया। इसमें पावर पाइंट प्रजेन्टेशन द्वारा सेफ्टी सर्कल के माध्यम से खतरों और जोखिमों को आसानी से पहचानने के उपाय बताये गए। इस दौरान महिला टीम द्वारा अभिनीत सेफ्टी सर्कल पर आधारित नाटक यमराज का यमलोक में दर्शन,,, ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। साथ ही सुरक्षा गीत गाकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। सेफ्टी सर्कल कन्वेंशन-2025 के इस आयोजन में देशभर के प्रतिष्ठित संस्थानों की कुल 99 सेफ्टी सर्कल टीमों के साथ 600 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें से 60 टीमों ने गोल्ड, 29 टीमों ने सिल्वर अवार्ड और 10 टीमों ने ब्रोंज़ अवार्ड जीतने का गौरव हासिल किया है।

सेफ्टी सर्कल के ड्रामा व सॉन्ग ने मचाई धूम

रश्मि नायक एवं उनकी महिला टीम द्वारा अभिनीत सेफ्टी सर्कल पर आधारित नाटक यमराज का यमलोक ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। इस नाटक में कलाकार रश्मि नायक, रूपाली नायक, लक्ष्मी सोम, अनुराधा ध्रुव रहे। इसके अतिरिक्त रश्मि नायक एवं रूपाली नायक द्वारा प्रस्तुत सुरक्षा गीत के साथ सभागार में उपस्थित अतिथियों व दर्शकों ने भी सुरक्षा गीत की लाइनों को साथ में गुनगुनाया। इस नाटक व सुरक्षा गीत के लेखक व निर्देशक सत्यवान नायक सहित सभी कलाकारों को मुख्य अतिथि ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

सेफ्टी सर्कल में प्रत्येक व्यक्ति की हो भागीदारी: श्री सिंह

पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि के के सिंह ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में सभी विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि सेफ्टी सर्कल के माध्यम से खतरों और जोखिमों को हम आसानी से पहचान सकते हैं। सेफ्टी सर्कल के माध्यम से सुरक्षा को अपनी आदत में समाहित करें तभी हम जीरो एक्सीडेंट के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। सेफ्टी सर्कल में टॉप फ्लोर से लेकर शॉप फ्लोर तक प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त पवन कुमार, एसएसपीयू के चांसलर आई पी मिश्रा, सेफी चेयरमेन एन के बंछोर एवं शशि वशिष्ठ एवं जी पी सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

कन्वेंशन में रिकार्ड भागीदारी

क्यूसीएफआई के वाइस प्रेसिडेंट एवं डायरेक्टर जी पी सिंह ने सेफ्टी सर्कल के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और इस प्रथम कन्वेंशन की जानकारी साझा करते हुये बताया कि सेफ्टी सर्कल कन्वेंशन-2025 के इस आयोजन में देशभर के प्रतिष्ठित संस्थानों की कुल 99 सेफ्टी सर्कल टीमों के साथ 600 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें से 60 टीमों ने गोल्ड, 29 टीमों ने सिल्वर अवार्ड और 10 टीमों ने ब्रोंज अवार्ड जीतने का गौरव हासिल किया है।

इन्हें मिला पुरस्कार

"बेस्ट ऑफ द कन्वेंशन के विजेता का पुरस्कार जहां दुर्गापुर स्टील प्लांट के सेफ्टी सर्कल टीम सेफ्टी शील्ड को प्राप्त हुआ। वहीं राउरकेला स्टील प्लांट की उत्कर्ष तथा भिलाई स्टील प्लांट की गगन सेफ्टी सर्कल टीम ने संयुक्त रूप से उपविजेता का खिताब जीता। सभी विजेताओं को अतिथियों द्वारा अवार्ड ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। इस कन्वेंशन के निर्णायक के रूप में जनार्दन राव, वी के चौधरी, सत्यवान नायक, सुनील त्रिवेदी, बी सी मंडल, एस आर जटरेले, निमेष गुप्ता, डॉ मनीष राज और दिव्येंदु सेनगुप्ता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यह रहे उपस्थित

क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इण्डिया के भिलाई चेप्टर द्वारा आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह मे मुख्य अतिथि के रूप में सेल के निदेशक कार्मिक एवं भिलाई चेप्टर के चेयरमेन के के सिंह, श्री गंगाजली एजुकेशन सोसायटी के चेयरमेन एवं एसएसपीयू के चांसलर आई पी मिश्रा, सेफी चेयरमेन तथा ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एन के बंछोर, क्यूसीएफआई के वाइस प्रेसिडेंट एवं डायरेक्टर जी पी सिंह, एस एस ओ रांची के मुख्य महाप्रबंधक शशि वशिष्ठ व जी पी सिंह उपस्थित रहे।समारोह का उद्घाटन सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक एच आर पवन कुमार ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस कन्वेंशन में बीएसपी एम तापस दास गुप्ता, सीजीएम बिजय कुमार बेहेरा, देवदत्त सतपथी, डीएसपी के सीजीएम दिव्येंदु सेनगुप्ता, आरएसपी के जीएम अबकाश बेहेरा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारम्भ मे जिंदल स्टील के हेड ऑफ आर एंड डी डॉ मनीष राज ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन क्यूसीएफआई के पीआरओ सत्यवान नायक और आभार प्रदर्शन वी के चौधरी ने किया।

लायंस क्लब भिलाई की नई कार्यकारिणी ने ली पद और गोपनीयता की शपथ

भिलाई। सेवा, समर्पण और सामाजिक प्रतिबद्धता के मूलमंत्र पर कार्यरत लायंस क्लब भिलाई रॉयल का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि लायंस इंटरनेशनल वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ रिपूदमन सिंह पूसरी थे। शपथ अधिकारी शान्तिलाल थे। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई। अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, सचिव राजेन्द्र भोजक, कोषाध्यक्ष नितेश अग्रवाल सहित पूरी नई कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि ने कहा कि लायंस क्लब केवल संगठन नहीं, बल्कि सेवा का एक जीवंत आंदोलन है। पदाधिकारी बनना सम्मान है, पर उससे बड़ा है – जिम्मेदारी निभाना है। मुकेश अग्रवाल ने कहा कि हमारा उद्देश्य समाज के हर जरुरतमंद तक पहुंचना है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, रक्तदान, महिला सशक्तिकरण और युवाओं के लिए कौशल

विकास इन सभी क्षेत्रों में हमारा क्लब कार्य करेगा।

हमारी टीम युवा, ऊर्जावान और पूरी तरह समर्पित है। संस्था द्वारा निशुल्क चिकित्सा व नेत्र परीक्षण, वृक्षारोपण, जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए स्टेशनरी, वृद्धाश्रम एवं अनाथालयों में सेवा गतिविधियां, स्वास्थ्य जागरूकता व कैंसर जांच, महिलाओं के उत्थान के लिए काम किया जा रहा है। कार्यक्रम में अनिल अग्रवाल, ललित अग्रवाल, चन्देश शर्मा, अतुल अग्रवाल, अंजू चन्द्राकर, रितेश अग्रवाल सहित अन्य मौजूद थे।

छात्र परिषद के अलंकरण समारोह में नायक ऋषिराज और नायिका आरुषि चुनी गई

भिलाई। कृष्णा पब्लिक स्कूल दुर्ग में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के छात्र परिषद का छात्र अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डायरेक्टर मयंक शर्मा एवं शाला की प्राचार्या इति शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर की। शाला के चुने गए मुख्य नायक ऋषिराज नायर, मुख्य नायिका आरुषि भारद्वाज, उपनायक दिव्यम देशमुख, उपनायिका हर्षिता मेनन, कनिष्ठ मुख्य नायक कियान कामले और कनिष्ठ मुख्य नायिका आदिशा जैन चुने गए। चारों सदनों नर्मदा, ब्रह्मपुत्र, झेलम और गोदावरी के नायक और उपनायक के साथ-साथ क्लब प्रभारी, खेल, स्वच्छता प्रभारी,सांस्कृतिक कार्यक्रम, बुक क्लब,सोशल क्लब, इको क्लब, साइंस क्लब, कंप्यूटर क्लब, मैथ्स क्लब, डिबेट क्लब , क्विज क्लब आदि सभी के चयनित नायक एवं उपनायकों को डायरेक्टर सर, प्राचार्या महोदया एवं सदन के संचालकों द्वारा बैच और सैश से सम्मानित किया गया। प्राचार्या ने कहा की नेतृत्व का अर्थ बहुत व्यापक है, शिक्षा से लेकर खेल तक हर स्थान पर इसकी आवश्यकता है।

अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू के बीके राजू ने कराया मेडिटेशन

सबसे बड़ी शक्ति स्वयं को परिस्थितियों में एडजेस्ट करने की है, मन की शक्ति को व्यर्थ न गंवाएं

कार्नर न्यूज

जितना अधिक लोगों की बातों को सुनेंगे उतना ही मन की उलझन बढ़ेगी इसीलिए भगवान की सुने। दुनिया बहुत समझदार है उसकी बातों में अपने मन की शक्ति को व्यर्थ न गवाएं। नाम, मान, शान की कामना रखना यानी कच्चा फल खाना। हमें अपनी चिन्तन धारा को सकारात्मक बनाना है। यह बातें प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू से आए वरिष्ठ राजयोगी ब्रह्माकुमार राजू ने दो दिवसीय योग-तपस्या कार्यक्रम अंतिम समय कि तैयारी विषय पर कही।

भिलाई। सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में दो दिवसीय योग तपस्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसके अंतिम दिन अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू से आए वरिष्ठ राजयोगी ब्रह्माकुमार राजू ने योग व तपस्या कार्यक्रम के समापन पर राजयोग मेडिटेशन कराकर आत्म चिंतन के लिए समय निकालकर खुद को निखारने की बातें सिखाई।

इस अवसर पर ब्रम्हकुमार राजू ने कहा कि आर्थिक, मानसिक, पारिवारिक, शारीरिक परिस्थितियों के विपरित रूपी पेपर तो सभी के जीवन में आएंगे ही, जिसे हमें हमारी आत्मिक स्थिति को ज्ञान और योग से मजबूत करनी होगी।

समय के महत्व को जानते हुए किसान सही समय पर बीज बोता है तो फसल की प्राप्ति होती है इसलिए समय बड़ा मूल्यवान है और समय की कद्र करे। कर्म, विकर्म की सभी गति को समझकर हमेशा श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए, श्रेष्ठ पुरुषार्थ के आधार पर ही हमारी श्रेष्ठ कर्म और जीवन सुगम बनती है।

आत्म चिंतन के लिए निकाले समय

दूसरों के कमी कमजोरी रूपी दाग स्पष्ट दिखाई देते हैं लेकिन आत्म चिंतन द्वारा स्वयं के दाग यानी अपनी कमजोरियों व कमियों को देखने का समय निकालना है। सबसे बड़ी शक्ति स्वयं को परिस्थितियों में एडजस्ट करने की शक्ति होती है। स्वास्तिक यानी स्व की श्रेष्ठ स्थिति का आसन, स्वयं को और देह को चलाने वाली चैतन्य शक्ति आत्म निश्चय समझ कर कर्म करो यह पहला अभ्यास है। मैं आत्मा देह से न्यारी हूं यह शुद्ध संकल्प हमें शक्तिशाली निर्भय बनाता है। यदि किसी को शिक्षा देनी है तो क्षमा करना सीखो, यह सब निर्दोष है ऐसी ऊंची भावनाएं, धारणा होगी तो स्वयं के साथ हम दूसरों को भी परिवर्तन कर सकते हैं।

स्पोर्ट्स इवेंट

राष्ट्रीय खेल में भाग लेने टीम झांसी रवाना, 15 खिलाड़ी लेंगे भाग

भिलाई। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग से संभागीय टीम राष्ट्रीय स्तर के खेलों में प्रदर्शन के लिए झांसी रवाना हुई। इस दौरान विद्यार्थियों को प्राचार्य उमाशंकर मिश्रा ने कहा कि खेल भावना हार और जीत से ऊपर होती है। यही जिंदगी की फिलॉसफी भी है। हार और जीत की चिंता किए बगैर मन लगाकर पूरी शक्ति से खेलना है। अच्छा खिलाड़ी वह नहीं है जो जितना जानता है अच्छा खिलाड़ी वह है जो हर को हजम करना जानता है। जिंदगी हार और जीत से बहुत ऊपर है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेलों को जब आप देखेंगे तो आपको पता चलेगा कि सेकंड की एक बहुत छोटे से हिस्से के कारण पहले और दूसरे स्थान का चयन होता है। बस यह क्षण महत्वपूर्ण है उसे क्षण को अर्जित करने की कोशिश करनी चाहिए। अनावश्यक दबाव अच्छा नहीं होता। उन्होंने सभी केंद्रीय विद्यालयों के खिलाड़ियों को रायपुर संभाग की ओर से शुभकामनाएं दी। केंद्रीय विद्यालय रायपुर, दुर्ग, बचेली, कोरबा, बिलासपुर से 15 खिलाड़ी बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए डॉ. अजय आर्य एवं राहुल कुमार के नेतृत्व में झांसी रवाना हुए। डॉ अजय आर्य ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि हमारे छात्र बेहतर प्रदर्शन करें। प्रतिस्पर्धा में रायपुर संभाग का नाम उत्कृष्टता के साथ लिया जाए। उन्होंने कहा कि हम कोशिश करेंगे कि हमारे सभी छात्र खेल के आदर्श मूल्य का अनुपालन सुनिश्चित करें। खेल भावना अनुशासन और कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित करते हैं।

- **खिलाड़ी की खेल भावना ही है जिंदगी की फिलॉसफी: उमाशंकर मिश्र**

● बाबा धाम में भिलाई गेट के नाम से 24 घंटे चलता है निशुल्क भंडारा

30 हजार से ज्यादा शिव भक्त पहुंचते हैं बाबाधाम, 28 किलोमीटर पहले भिलाई के 30 सेवादार कर रहे सेवा

भिलाई। भगवान शिव का प्रिय मास सावन में शिव भक्त अपने-अपने ढंग से भोले बाबा को प्रसन्न करने में लगे रहते है। इस महिने लोग पवित्र नदियों का जल लेकर कांवड़ यात्रा करते हुए अपनी मनोकामना अनुसार शिवालयों में जल अर्पित कर आर्शिवाद लेते है। इस महिने 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक बाबा बैजनाथ धाम में देश के कोने-कोने से कावड़िये जाते है। वही सावन महिने में ट्विनसिटी के लगभग 25 से 30 हजार शिव भक्त कांवड़ यात्रा करते हुए बाबा को जल चढ़ाने जाते है। सभी शिव भक्तों का ध्यान रखते हुए भिलाई की प्रेम संगवारी बहुउद्देशीय सेवा समिति पिछले 14 सालों से श्रद्दालुओं के लिए चाय, पानी, नाश्ता, भोजन से लेकर शारीरिक तकलीफ को दूर करने मरहम पट्टी की सेवा के लिए भिलाई से 30 सेवादार पहुंचकर सेवा देते आ रहे है। कई राज्यों से आने वाले श्रद्धालु 120 किमी यात्रा की शुरुआत सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर 65 किमी की यात्रा कर भिलाई गेट पहुंचकर आराम करते है जिसके बाद लगभग 28 किमी बाद बाबा के धाम पहुंचते है। सावन का महीने के बाबा बैद्यनाथ धाम की रौनक अलग ही रहती है। देशभर से शिवभक्त हाथों में कांवड लिए भोले बाबा को जल चढ़ाने जाते हैं। दूर दूर से बाबा धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को सुबह-शाम का नाश्ता कराने से लेकिन दोपहर के भोजन तक की व्यवस्था की भिलाई की एक सेवा संस्था द्वारा किया जा रहा है। हम बात कर रहे हैं इस्पात नगरी भिलाई के प्रेम संगवारी बहुउद्देशीय सेवा समिति की। यह संस्था सावन शुरू होते ही बाबा धाम में बस जाती है और देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं की भूख प्यास मिटाती है। पिछले 14 वर्षों से प्रेम संगवारी बहुउद्देशीय सेवा समिति बाबा धाम में श्रद्धालुओं की सेवा कर रही है।

करते हैं शिवभक्तों की सेवा, भिलाई गेट के नाम से प्रख्यात है संस्था

विष्णु पाठक ने बताया कि सावन का महीना शुरू होने के बाद पूरे एक माह तक बाबा धाम में हमारी संस्था द्वारा सेवा कार्य किया जाता है। देशभर से आने वाले कावंडियों को यहां सुबह का नाश्ता, दोपहर को खाना और शाम को नास्ता दिया जाता है। मुकेश पांडे और विष्णु पाठक ने बताया कि बाबा धाम में भिलाई गेट के नाम से निशुल्क भंडारा चलता है। हमारे शिविर में आने वाले लोगों को नाश्ता व भोजन उपलब्ध कराने के साथ ही दवाइयों का भी बंदोबस्त किया जाता है। हमारी संस्था द्वारा शिवभक्तों को जरूरत की दवाइयां व दर्द निवारक मलहम आदि की भी व्यवस्था की जाती है। छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों से श्रद्धालु भी सेवा का लाभ लेते हैं। भिलाई से ही 30 लोगों की एक टीम बाबाधाम में 24 घंटे सेवाकार्य में लगी रहती है।

पहली बार बाबाधाम पहुंचे तो आया विचार

समिति संयोजक विष्णु पाठक में बताया कि जब वह पहली बार बाबा धाम पहुंचे तो विचार आया कि यहां शिव भक्तों के लिए किसी प्रकार का सेवा कार्य शुरू किया जाए। इसके बाद शिवभक्तों के लिए भोजन व्यवस्था शुरू करने निर्णय लिया गया। एक संकल्प लेकर इस कार्य को शुरू किया। विष्णु पाठक ने बताया कि किराए की जमीन लेकर काम शुरू किया। धीरे-धीरे लोग हमें सहयोग करने लगे और हम इस काम को निरंतर कर रहे हैं।

पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश ने की थी शुरुआत

छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय इस संस्था के सरंक्षक है जो कि स्वयं भी बाबा भोलेनाथ के भक्त हैं। वे भी हर साल बाबा धाम जाते हैं और भक्तों की सेवा में हाथ बटाते आ रहे हैं। प्रेम संगवारी बहुउद्देशीय सेवा समिति द्वारा 14 वर्षों से निरंतर इस सेवा कार्य को किया जा रहा है। रोजाना लगभग 5000 श्रद्धालु इनके सराय में आते हैं और इस सेवा का लाभ उठाते हैं। प्रेम संगवारी बहुउद्देशीय सेवा समिति के अध्यक्ष मुकेश पांडे हैं। समिति के महामंत्री रंग बहादुर सिंह, मुख्य संयोजक विष्णु पाठक, सहित अन्य लोग है। समिति के अन्य समर्पित सदस्यों में रवि शर्मा, श्रीकांत वर्मा, हेमंत यादव, राज यादव, तरुण सोनी, राजू सागर, अभिषेक गिरी, निलेश सोनी, पिंटू कश्यप, प्रिंस सिंह आदि है।

स्पोर्ट्स लाइव

राष्ट्रीय नेट बॉल स्पर्धा में जिले के खिलाड़ियों ने जीते पदक, सम्मान

भिलाई। छत्तीसगढ़ लोक शिक्षण संचनालय द्वारा सत्र 2023-24, 2024 -25 में आयोजित शालेय राष्ट्रीय नेट बाल प्रतियोगिता में दुर्ग के खिलाड़ियों ने पदक जीते। पदक प्राप्त खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि जिला शिक्षा अधिकारी ने प्रदान कर सम्मानित किया। नेटबॉल खेल में रुद्र रंगारी आर कार्तिक ने गोल्ड मेडल, सुप्रिया यादव, रूपल राजपूत, आदिल आलम ने सिल्वर मेडल एवं कृष्णा चंद्राकर ने ब्रॉन्ज मेडल लिया इन खिलाड़ियों को जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा द्वारा प्रदान किया गया। डीईओ ने कहा कि भिलाई विद्यालय सेक्टर 2 मैदान में निरंतर साल भर अभ्यास करते हैं। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर सहायक संचालक असीम कुमार घोष, सीमा नायक, पुष्पा पुरुषोत्तम, संजय वर्मा, तनवीर अकिल, अब्बास आलम, विजय छलोत्रे, संतोष साहू सहित अन्य मौजूद थे।

प्रदेश अध्यक्ष की सहमति से निर्णय

चैंबर की कार्यकारिणी घोषित 4 कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए

भिलाई। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज दुर्ग जिला इकाई की कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। नवनियुक्त अध्यक्ष अनूप गटागट ने प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी की अनुमति ने इसकी घोषणा की। 4 कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए हैं। इनमें अरुण दुग्गड़, अटल गोदवानी, विनय खंडेलवाल, उत्तम भंडारी शामिल हैं। रुंगटा कॉलेज आफ ग्रुप के संस्थापक व छत्तीसगढ़ चेंबर आफ कॉमर्स के प्रमुख सलाहकार संजय रुंगटा की इसमें अहम भूमिका रही। इसके कारण उन्हें शॉल, श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। गटागट ने कहा कि हम सदैव व्यापार के हित में कार्य करेंगे। व्यापारियों को आने वाली अनावश्यक परेशानियों को दूर करने हेतु सतत प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में अध्यक्ष अनूप गटागट, शिव चन्द्राकर, दीपक चोपड़ा, किशोर जैन सहित अन्य मौजूद थे।

कार्यकारिणी में इन सदस्यों को मिली जगह: संरक्षक संजय खंडेलवाल, कांतिलाल बोथरा, प्रमुख सलाहकार दर्शन लाल ठाकवानी, चैनसुख भट्टड़, विनीत जैन, चेयरमैन किशोर जैन, महामंत्री कुलदीप सिंह लालवानी, कोषाध्यक्ष आनंद अग्रवाल, सह कोषाध्यक्ष नितिन रूंगटा, उपाध्यक्ष सुदीप अग्रवाल, राज आढ़तिया, विनायक नातू, मनीष बोथरा, नविन जैन, गोविंद आहूजा, सुनील जसवानी, बहादुर अली थारानी, संदीप जैन, मनोज अग्रवाल, सतीश समर्थ, दिनेश टावरी, योगेश बरड़िया, लक्ष्मण गणेशानी, विनीत खेतान, आनंद चांडक, मुरली सचदेवा, छवि देवांगन, संगठन मंत्री दिनेश सुरेश पाटिल, मंत्री संभव जैन, निकुल सोलंकी, प्रेम अग्रवाल, राजेश शर्मा, प्रवीण भूतड़ा, आदित्य चंद्राकर, नितिन कोठारी, उदय शंकर त्रिपाठी, चिरंजीव राठी, मनोज भूतड़ा, रवि कुकरेजा, ओमप्रकाश कोटवानी, महेश कुमार ग्वालानी, वित्तीय सलाहकार सुरेश कोठारी, महिला प्रकोष्ठ मानसी गुलाटी, कार्यकारिणी सदस्य राजेश नाहटा, अमर कोटवानी, सोनित साहू, नरेश दहिया, मनीष दुबे, विपल कोठारी, मंगल प्रकाश गुप्ता, नितिन कोठारी, राजीव अग्रवाल, विमलेश जैन, महेश गणेशानी, कैलाश माखीजा सहित अन्य शामिल हैं।

सम्मान समारोह

10वीं, 12वीं में अच्छे अंक लाने वाले विद्यार्थी पुरस्कृत

भिलाई। जन सुधार शिक्षा समिति कैम्प-2 द्वारा संचालित दुर्गा हायर सेकंडरी स्कूल में कक्षा-10वीं एवं 12वी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। छात्राओं ने बोर्ड परीक्षा-2025 में 60% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी सम्मानित किए गए। विधायक रिकेश सेन के प्रतिनिधि के रूप में पार्षद एन शैलजा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मंडल उपाध्यक्ष ममता भारद्वाज भी मौजूद थीं। मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर छात्रों को सम्मानित किया गया। 10वीं के 17 एवं 12 वीं के 16 छात्र सम्मानित किए गए। इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक कुंवर सिंह सहित अन्य स्टॉफ मौजूद थे। मुख्य अथिथि शैलजा और ममता भारद्वाज ने छात्र, छात्राओं को कठिन परिश्रम के लिए प्रेरित किया।

60% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी सम्मानित

सिटी इवेंट

ओटीटी जैसे प्लेटफार्म में दिखाए जाने वाले कन्टेंट पर लगाई जाए लगाम

भिलाई। कामधेनु विश्वविद्यालय में अभद्र भाषा के विरुद्ध एक युद्ध विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता के रूप में स्वयं सिद्धा की अध्यक्ष डॉ. सोनाली चक्रवर्ती मौजूद थी। उन्होंने कहा कि भाषा हमारी संस्कृति का प्रतिबिंब है। जब भाषा में कटुता, अशिष्टता और अपमानजनक शब्दों का प्रयोग होता है, तब वह अभद्र भाषा बन जाती है। एक सभ्य, संवेदनशील और समरस समाज के निर्माण हेतु मर्यादित शब्दों का प्रयोग आवश्यक है। उन्होंने बताया कि ओटीटी जैसे प्लेटफार्म में दिखाए जाने वाले कंटेट्स पर लगाम की आवश्यकता है। सोशल मीडिया पर अभद्रता को बढ़ाने वाले कंटेंट्स की रिपोर्ट करके हम इस युद्ध में अपनी भागीदारी दे सकते हैं। शैक्षणिक संस्थानों में नैतिक शिक्षा एवं संवाद कौशल पर भी बल दिया जाना चाहिए। इस अवसर पर स्टूडेंट्स को अभद्र भाषा का प्रयोग न करने हेतु शपथ दिलाई गई। कुलपति डॉ. आरआरबी सिंह ने बताया कि भाषा, विचारों के आदान-प्रदान का एक माध्यम है। अभद्र भाषा के खिलाफ युद्ध केवल कानून का नहीं अपितु हर एक नागरिक का नैतिक और सामाजिक कर्त्तव्य है। मृदुभाषी बनें, अपने व्यवहार में कुशलता लाएं। विन्रमतापूर्वक संवाद से आप अधिक से अधिक लोगो से जुड़ सकते हैं। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. केशब दास ने बहुत ही सुंदर पंक्तियों आग से बना हुआ घाव समय के साथ भर जाता है, लेकिन शब्दों से बना घाव कभी नही भरता के द्वारा कार्यशाला में अपनी बात रखी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रूपल पाठक एवं बरत सिंह दीवान ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. संजय शाक्य, कुलसचिव डॉ. बीपी राठिया, डॉ. जीके दत्ता, डॉ. एस पॉल, डॉ. एमके गेंदले, डॉ. किशोर मुखर्जी, डॉ. दिलीप चौधरी सहित अन्य मौजूद थे।

- **कामधेनु यूनिवर्सिटी अंजोरा में अभद्र भाषा के विरुद्ध एक युद्ध विषय पर कार्यशाला**

आर्य समाज के पारिवारिक वैदिक सत्संग के दौरान दी यज्ञ में आहूति

शिव ने देवताओं के हिस्से का विष पीकर जीवन में आने वाली विपरित परिस्थितियों को सहन करना सिखाया: डॉ अजय

कार्नर न्यूज

भिलाई। हम सब को सावन में शिव का मार्गदर्शन प्राप्त करना चाहिए। शिव ने देवताओं के हिस्से का विष पिया था। कभी कोई कड़वाहट कुछ बुरा हो जाए तो उसको भी पीने के लिए चखने के लिए तैयार रहना चाहिए। शिवजी के गले में सांप, माता पार्वती का वाहन शेर, गणेश का वाहन चूहा और कार्तिकेय का वाहन मोर, ये सभी एक दूसरे के शत्रु माने जाते हैं, फिर भी वे सब एक साथ रहते हैं। यह हमें सिखाता है कि हमें भी अपने जीवन में आने वाली विभिन्न परिस्थितियों और लोगों को सहन करना चाहिए। यह बातें आर्य समाज दवरा आयोजित वैदिक सत्संग के दौरान आचार्य डॉ अजय आर्य ने कही। आर्य समाज दवरा पारिवारिक सत्संग का आयोजन किया गया। इस दौरान यजमान कमल अग्रवाल व सुनीता अग्रवाल ने वैदिक मंत्रोंच्चार के साथ पवित्र अग्नि में आहुति दी गई।

हम सबको बुरी बातें भूलना आना चाहिए

आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि जीवन को श्रेष्ठ बनने के लिए श्रेष्ठ मार्ग पर चलना पड़ता है। जिन लोगों की याददाश्त तेज होती है वह ज्यादा दुखी होते हैं। हम सबको बुरी बातें भूलना आना चाहिए। हम अपने मोबाइल को डिलीट करके अपडेट करते हैं किंतु जीवन में बुरी बातें किसी के द्वारा दिए गए दुख को या और भी किसी भी तरह के कष्ट को भूलना नहीं चाहते। अगर नहीं भूलोगे तो जीवन शूल बन जाएगा।

जीवन पवित्र, श्रेष्ठ और स्वस्थ बनाएं

हमेशा मुस्कुराते रहिए। स्वामी दयानंद ने संस्कार विधि में आज से डेढ़ सौ साल पहले लिखा था कि पति पत्नी सोने से पहले एक दूसरे को नमस्कार करें। आज महिलाओं को पति के चरण छूने का उपदेश दिया जाता है किंतु पति को यह नहीं बताया जाता की पत्नी के त्याग और इसकी तपस्या का भी सम्मान किया जाना चाहिए। इस तरह से जीवन जियो की जीवन पवित्र, श्रेष्ठ और स्वस्थ बन जाए। कार्यक्रम के अंत में वेद मंत्रों का उच्चारण करके पुष्प वृष्टि के माध्यम से आशीर्वाद दिया गया। वैदिक सत्संग के दौरान अग्नि में सुनीता, शिवम अग्रवाल, ममता, राजेंद्र अग्रवाल, कमल अशोक गुप्ता, पुरषोत्तम, विजय जैन, सोनिया, अकता, अलका मधु त्रेहन ने मंत्रोच्चार के साथ आहुति दी।

हेल्थ टिप्स

बारिश का मौसम आते ही आंखों में बढ़ जाता है इंफेक्शन का खतरा, ऐसे करें बचाव

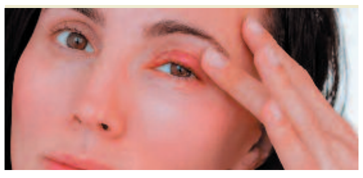

बरसात के मौसम में आंखों में इंफेक्शन हो ही जाता है। कई बार यह काफी दर्दनाक हो जाता है। ऐसे में आप आंखों को इंफेक्शन से बचाने के लिए डॉक्टर की बताई बातों पर अमल जरूर करें। बारिश आते ही, चारों तरफ खुशनुमा माहौल हो जाता है, लेकिन साथ ही आंखों से जुड़ी समस्याओं का खतरा भी बढ़ जाता है। बारिश का गंदा पानी, ठहरा हुआ पानी या बाढ़ का पानी बैक्टीरिया वायरस और फंगस जैसे हानिकारक सूक्ष्मजीवों से भरा हो सकता है, जो हमारी आंखों के स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा पैदा करते हैं। डॉ. पुरेंद्र भसीन, एमबीबीएस, एमएस, फाउंडर और डायरेक्टर रतन ज्योति नेत्रालय, ग्वालियर के मुताबिक दूषित पानी जब आंखों के संपर्क में आता है, खासकर छींटे पड़ना, इसके बाद हम आंखों को रगड़ते हैं तो कंजंक्टिवाइटिस , केराटाइटिस या यहां तक कि कॉर्नियल अल्सर जैसे गंभीर संक्रमणों का कारण बन सकता है। जो लोग कॉन्टैक्ट लेंस पहनते हैं, वो खास करके इसके प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, क्योंकि लेंस हानिकारक सूक्ष्मजीवों को आंख की सतह पर फंसा सकते हैं। आइए जानते हैं बरसात के मौसम में आंखों को इंफेक्शन से कैसे बचाएं।

बरसात में आंखों को इंफेक्शन से बचाने के लिए क्या करें?

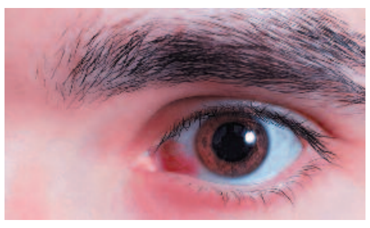

आंखों को छूने से पहले हमेशा हाथों को अच्छी तरह से धोएं। गंदे हाथों से आंखों को छूना संक्रमण का सबसे बड़ा कारण है। इसके अलावा कोशिश करें कि बारिश का पानी सीधे आपकी आंखों में न जाएं। अगर ऐसा हो जाता है, तो साफ पानी से आंखों को साफ करें। इस मौसम में स्विमिंग करने से बचें।

मान लो आपके आंखों में कुछ चला गया है, तो आप रगड़ने या खुजली करने से बचें, इससे संक्रमण फैल सकता है। अपने तौलिए, और मेकअप का सामान किसी से शेयर न करें। इस मौसम में कभी भी आई मेकअप के साथ ना सोएं। अगर कॉन्टैक्ट लेंस पहनती हैं, तो बारिश के मौसम में ज्यादा सावधानी बरतें। लेंस को पहनने और उतारने से पहले हाथों की अच्छी तरह से सफाई करें। हो सके तो इस मौसम में चश्मा से काम चलाएं। डॉक्टर भसीन के मुताबिक कभी-कभी हल्की जलन या सूखापन प्रिजर्वेटिव फ्री लुब्रिकेटिंग आई ड्रॉप से ठीक हो सकता है, लेकिन इसमें सावधानी बरतना जरूरी है।

लाल या खुजली वाली आंखें वायरल या बैक्टीरियल कंजंक्टिवाइटिस, एलर्जी या अधिक गंभीर स्थितियों के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। गुलाब जल या बिना डॉक्टर की सलाह के आई ड्रॉप का उपयोग स्थिति को बदतर बना सकता है। अगर आंखों से जुड़ी कोई भी लक्षण एक दिन से अधिक समय तक बने रहते हैं, या आंखों से पानी, डिस्चार्ज या रौशनी के प्रति संवेदनशीलता जैसी बनी रहे ,तो तुरंत किसी नेत्र विशेषज्ञ से सलाह लेना सबसे अच्छा है।

मानसून में आंखों की साफ-सफाई और

देखभाल पर विशेष ध्यान देना जरूरी हो जाता है, क्योंकि ये आई सिंड्रोम और वायरल इंफेक्शन जैसी कई परेशानियों का कारण बन सकता है। नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ. आशीष पटेल बताते हैं कि, मानसून के दौरान बढ़ी हुई नमी और गंदगी से आंखों में बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं। यदि समय रहते ध्यान न दिया जाए, तो ये संक्रमण आपकी दृष्टि को भी प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए हम जानेंगे कि कैसे आप मानसून में अपनी आंखों को बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचा सकते हैं। आंखों को बार-बार न छुएं।आंखों को बिना धोए हाथों से बार-बार छूना संक्रमण को न्योता देने जैसा है। बाहर से आने के बाद हाथ धोए बिना आंखें न छुएं। बच्चों को भी समझाएं कि आंखों में हाथ न लगाएं। अगर आंख में खुजली हो रही है तो साफ रूमाल या टिशू से हल्के हाथ से पोंछें। साफ तौलिया और रुमाल का ही इस्तेमाल करें। मानसून में गीले तौलिए या साझा किए गए रुमाल से संक्रमण तेजी से फैलता है। हर व्यक्ति को अपना अलग तौलिया/रुमाल इस्तेमाल करना चाहिए।रोजाना तौलिया धोकर सुखाएं। गंदे और नम कपड़े बैक्टीरिया के लिए सबसे अच्छा माहौल बनाते हैं। आंखों को दिन में दो बार साफ पानी से धोएं। मानसून में कॉंटैक्ट लेंस पहनने से पहले अच्छे से हाथ धोएं। पुराने या बिना सॉल्यूशन वाले लेंस का इस्तेमाल न करें। संक्रमण होने पर तुरंत लेंस पहनना बंद करें और डॉक्टर से मिलें। मानसून में थोड़ी-सी लापरवाही आंखों की बड़ी समस्या बन सकती है।

सहनशीलता की सीमा घट रही लोगों में, हालात चिंताजनक

रोजाना बढ़ता शोर बन रहा मानसिक तनाव-क्रोध और घबराहट की वजह, हर 5 वां व्यक्ति हो रहा प्रभावित

मिसोफोनिया एक श्रवण प्रतिक्रिया विकार है, जिसमें व्यक्ति को कुछ विशेष ध्वनियों के प्रति तीव्र नकारात्मक प्रतिक्रिया होती है। ये ध्वनियां आमतौर पर किसी के चबाने, सांस लेने, पेन से लिखने या यहां तक कि घड़ी की टिक-टिक जैसी रोजमर्रा की आवाजें हो सकती हैं। इन ध्वनियों से प्रभावित व्यक्ति में गुस्सा, घृणा, बेचैनी या मानसिक अशांति जैसी प्रतिक्रियाएं देखी जाती हैं।ध्वनि से पैदा होने वाली आवाजें मानसिक तनाव, क्रोध और घबराहट का कारण बन सकती है। ऐसी ही एक मनोवैज्ञानिक स्थिति है मिसोफोनिया, जो अब चिकित्सा विज्ञान के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह विकार जीवनभर पांच में से एक व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है, लेकिन इसकी पहचान और इलाज को लेकर जागरूकता बेहद सीमित है।

मिसोफोनिया एक श्रवण प्रतिक्रिया विकार है, जिसमें व्यक्ति को कुछ विशेष ध्वनियों के प्रति तीव्र नकारात्मक प्रतिक्रिया होती है। ये ध्वनियां आमतौर पर किसी के चबाने, सांस लेने, पेन से लिखने या यहां तक कि घड़ी की टिक-टिक जैसी रोजमर्रा की आवाजें हो सकती हैं। इन ध्वनियों से प्रभावित व्यक्ति में गुस्सा, घृणा, बेचैनी या मानसिक अशांति जैसी प्रतिक्रियाएं देखी जाती हैं। इस विकार को सबसे पहले वर्ष 2000 में डॉक्टर पावेल जास्त्रेबॉफ ने परिभाषित किया था, हालांकि 20वीं सदी की कई मनोवैज्ञानिक रिपोर्टों में इसका अप्रत्यक्ष उल्लेख मिलता रहा है। यूनिवर्सिटी का न्यूकेस्टल के एक अध्ययन में पाया गया कि मिसोफोनिया वाले लोगों के मस्तिष्क में ऑडिटरी और इमोशनल प्रोसेसिंग सेंटर के बीच अधिक संपर्क होता है।

मिसोफोनिया के लक्षण

विशेषज्ञ बताते हैं कि मिसोफोनिया के लक्षणों की तीव्रता व्यक्ति की ध्वनियों पर प्रतिक्रिया के प्रकार से निर्धारित होती है।भावनात्मक प्रतिक्रिया में चिड़चिड़ापन,गुस्सा और घबराहट सामने आती है। शारीरिक प्रतिक्रिया के दौरान दिल की धड़कन तेज होना और मांसपेशियों में तनाव पैदा होता है। व्यवहारिक प्रतिक्रिया में देखा गया है कि पीड़ित उस स्थान से भाग भाग निकलता है या फिर आंखों पर हाथ रख लेता है। यहां तक कि कभी-कभी क्रोध से भरी तीव्र प्रतिक्रिया भी सामने आती है।

ऐसे होती है समस्या

वैज्ञानिक रूप से अभी तक इसकी कोई स्पष्ट जैविक वजह तय नहीं की गई है, लेकिन न्यूरोलॉजिकल रिसर्च यह संकेत देते हैं कि ब्रेन में ध्वनि को प्रोसेस करने वाले हिस्से (जैसे ऑडिटरी कॉर्टेक्स और एमिगडाला) के बीच असामान्य जुड़ाव इसकी एक वजह हो सकता है। यानी मस्तिष्क कुछ सामान्य ध्वनियों को खतरे या हमले के संकेत के रूप में प्रोसेस करता है, जिससे फाइट या फ्लाइट प्रतिक्रिया शुरू हो जाती है।

व्रत के स्नैक्स, दस मिनट में हो जाएंगे तैयार

सावन व्रत में अन्न नहीं खाया जाता है और फलाहार व सात्विक भोजन का सेवन होता है। व्रत के दौरान हल्की-हल्की भूख लगना भी सामान्य है। ऐसे में कुछ ऐसी फलाहारी रेसिपी बनाएं जो झटपट तैयार हो जाती हों और जिसे बनाने में बहुत अधिक सामग्री की भी जरूरत न हो। फलाहारी व्रत के स्नैक्स में कई विकल्प हैं जो पौष्टिक, झटपट वाले और कम सामग्री में तैयार हो जाते हैं।

रोस्टेड मखाना

व्रत के स्नैक्स में सबसे आसानी से रोस्टेड मखाना बना सकते हैं। इसके लिए घी में मखाने को सुनहरा होने तक भूनें। जब वह क्रिस्पी हो जाए तो उसमें सेंधा नमक मिला सकते हैं। सिर्फ मखाने और सेंधा नमक को मिलाकर आप फलाहारी कुरकुरी नमकीन बना सकते हैं। जिसे एयरटाइट डिब्बे में स्टोर करके आप हफ्तेभर तक खा सकते हैं। ये जल्दी बन जाने वाली रेसिपी है और भूख को नियंत्रित रखने के साथ ही एनर्जी बढ़ाती है।

फलाहारी पनीर टिक्का

पनीर में प्रोटीन होता है, कैल्शियम और विटामिन बी 12 जैसे पोषक तत्व होते हैं। उपवास के दौरान पनीर का सेवन कर सकते हैं। इसके लिए पनीर को मोटे टुकड़ों में काटकर सेंधा नमक मिलाएं। फिर तवे पर घी डालकर सेंक लें। पनीर बाहर से क्रिस्पी और अंदर से हल्के सॉफ्ट बन जाएंगे। भुना पिसा जीरा, अमचूर पाउडर या व्रत में आप जिन मसालों का सेवन करते हैं, ऊपर से स्प्रिंकलर करके व्रत में खा सकते हैं। इसे दो तीन दिन स्टोर करने के लिए पनीर को शॉंटे करके एयरटाइट डिब्बे में रखें।

कुट्टू चिप्स

कुट्टू की पूड़ी और परांठे तो खाए होंगे लेकिन कुट्टू चिप्स भी काफी स्वादिष्ट लगता है। कूट्टू के आटे में थोड़ा पानी और नमक मिलाकर सख्त आता गूंथ दें। छोटी-छोटी पूरियां बेलें, कांटे से उसमें छेद करके धीमी आंच पर तलें। ये चिप्स जैसे बन जाएंगे , जिसे दो तीन दिन स्टोर कर सकते हैं।

केला नारियल रोल्स

कुछ मीठा खाने की क्रेविंग हो तो केले से हेल्दी स्नैक्स बना सकते हैं। इसके लिए पके हुए केले को शहर में डालकर मैश करें। इसे नारियल के बुरादे में रोल करें और तैयार हैं हेल्दी रोल्स, जिन्हें आप तीन से चार दिन स्टोर कर सकते हैं।

फलाहार से होने वाले लाभ

फलाहार में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करती है। फल और अन्य फलाहारी खाद्य पदार्थों में कैलोरी की मात्रा कम होती है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है। फलाहार में विटामिन, मिनरल्स और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक हैं। फलाहार में प्राकृतिक शर्करा होती है जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करती है।

सावन में हर दिन दीपक जलाने से मिलेंगे अद्भुत लाभ, जानें दिशा और वास्तु उपाय

घर में रोजाना दीपक जलाने से वास्तु दोष समाप्त होते हैं और धन, समृद्धि व शांति का वास होता है। साथ ही यह देवी-देवताओं की कृपा पाने का भी सरल माध्यम है।

सावन में दीपक जलाने का महत्व

वास्तु और ज्योतिष शास्त्र दोनों ही सावन के दिनों में दीपक जलाने को अत्यंत फलदायी मानते हैं। कहा जाता है कि घर में रोजाना दीपक जलाने से वास्तु दोष समाप्त होते हैं और धन, समृद्धि व शांति का वास होता है। साथ ही यह देवी-देवताओं की कृपा पाने का भी सरल माध्यम है। दीपक जलाने से भगवान शिव और माता पार्वती के साथ पितरों का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

पांच मुखी दीपक जलाएं

ज्योतिष विशेषज्ञों की मानें तो सावन के महीने में रोजाना संध्या काल में भगवान शिव के समक्ष पांच मुख वाला दीपक जलाना अत्यंत शुभ होता है। यदि प्रतिदिन यह संभव न हो, तो कम से कम चारों सोमवारों की शाम को यह उपाय अवश्य करें। इससे न सिर्फ आर्थिक समस्याएं दूर होंगी, बल्कि करियर और व्यवसाय में भी वृद्धि देखने को मिलेगी।

ईशान कोण में दीपक जलाएं

वास्तु शास्त्र में उत्तर-पूर्व दिशा (ईशान कोण) को दिव्य शक्तियों का स्थान माना गया है। सावन में इस दिशा में रोजाना दीपक जलाने से भगवान शिव सहित सभी देवी-देवताओं की कृपा मिलती है और पितृदोष भी शांत होता है।

मुख्य द्वार पर चौमुखी दीपक

सावन में घर के मुख्य द्वार पर सुबह और शाम मिट्टी का चौमुखी दीपक जलाना अत्यंत लाभकारी होता है।

बच्चों का पढ़ाई पर फोकस नहीं हो रहे हैं चिड़चिड़े तो ढूंढे कारण

क्या आप जानते हैं कि मोबाइल से दिनभर चिपके रहने की आदत सेहत के लिए गंभीर समस्याएं बढ़ाने वाली हो सकती है? विशेषतौर पर बच्चों के मानसिक सेहत पर इसका नकारात्मक असर देखा जा रहा है। आज के समय में मोबाइल फोन्स और कंप्यूटर हमारे जीवन के अहम हिस्सा बन चुके हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी इससे दिनभर चिपके रहते हैं। दुकान पर पेमेंट करने से लेकर ऑनलाइन सर्फिंग तक, हमारे दिन का एक लंबा समय मोबाइल फोन्स के साथ बीतता है। इस छोटे से उपकरण पर हमारी निर्भरता बीते कुछ वर्षों में काफी बढ़ गई है।

पर क्या आप जानते हैं कि मोबाइल से दिनभर चिपके रहने की ये आदत सेहत के लिए गंभीर समस्याएं बढ़ाने वाली हो सकती है? विशेषतौर पर बच्चों के मानसिक सेहत पर इसका नकारात्मक असर देखा जा रहा है।

कोरोना महामारी के बाद से ऑनलाइन पढ़ाई के बहाने मोबाइल फोन बच्चों की दिनचर्या में इस तरह घुसा कि अब इससे पीछा छुड़ाना मुश्किल होता जा रहा है। लिहाजा स्क्रीन टाइम की बढ़ती आदत ने बच्चों के फोकस, पढ़ाई और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर दिया

है। अध्ययनों से क्या पता चला?

जर्नल ऑफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (जामा) साइकेट्री जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक दिन में 2 घंटे से ज्यादा स्क्रीन टाइम वाले बच्चों में ध्यान देने की क्षमता 60% तक कम हो जाती है। इतना ही नहीं मोबाइल फोन्स का बढ़ता इस्तेमाल बच्चों के मूड और व्यवहार में बदलाव का कारण बनता जा रहा है। जिन बच्चों का स्क्रीन टाइम अधिक है उनमें चिड़चिड़ापन, अधीरता जैसी दिक्कतें भी अधिक देखी जा रही हैं।

डिजिटल डिवाइस पर बढ़ती निर्भरता खतरनाक

एम्स द्वारा इसी संबंध में किए गए एक अध्ययन में विशेषज्ञों ने पाया कि भारत में 8 से 14 की आयु वाला हर 3 में से 1 बच्चा डिजिटल डिवाइस पर निर्भर हो चुका है, जो एक तरह की लत है। इसका असर ये है कि इससे उनके लिए किसी एक काम या पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना कठिन हो गया है। मोबाइल की लत से होने वाले नुकसान का दूसरा पहलू ये है कि ये बच्चों की नींद को प्रभावित कर रहा है। अध्ययन में पाया गया कि रात को स्क्रीन देखने से नींद की गुणवत्ता 45% तक घटती है, जिससे अगली सुबह स्कूल में एकाग्रता पर असर होता है।

क्या है इसके पीछे की वजह?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चे के ध्यान और एकाग्रता अवधि पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है, इसके पीछे का साइंस ये है कि स्क्रीन टाइम का बढ़ना बच्चों के संज्ञानात्मक कौशल के विकास को प्रभावित करता है। स्क्रीन वाले उपकरणों के साथ चिपके रहने के चलते बच्चे, अपने दोस्तों-साथियों से कम मिलते हैं जिसके कारण वह वास्तविकता से अलग आभासी दुनिया में ही जीते रहते हैं। इसके अलावा रील्स पर स्क्रॉल करते रहने की आदत ने बच्चों को अस्थिर बना दिया है, लिहाजा एक काम पर वे बहुत देर तक फोकस नहीं रह पाते हैं।

कार्नर न्यूज

बबल बाथ को सुरक्षित नहीं मानते विशेषज्ञ

बच्चों को बबल बाथ देने जा रहे हैं तो हो जाएं सावधान

बबल बाथ बच्चों के लिए मजेदार और आकर्षक होता है। इसके झाग और बुलबुलों से खेलते हुए वे आसानी से नहा लेते हैं। लेकिन विशेषज्ञ इसे सुरक्षित नहीं मानते हैं। छोटे बच्चों को नहलाना अक्सर मां के लिए चुनौतीपूर्ण साबित होता है, खासकर तब, जब वे पानी को देखते ही रोते हों। ऐसे में हो सकता है कि आप नहाने को मजेदार बनाने के लिए उन्हें बबल बाथ देती हों। बबल बाथ में मौजूद झाग बच्चों को आकर्षित करते हैं, जिससे वे खेल-खेल में बिना रोए नहा लेते हैं और उनके मन में नहाने को लेकर सकारात्मक भावना भी पैदा होती है। लेकिन कई शोध बताते हैं कि यह उनके लिए नुकसानदायक भी हो सकता है।

एक मजेदार तरीका

बबल बाथ एक आरामदायक और सुखद स्नान विधि है, जिसमें गुनगुने पानी से भरे टब में विशेष बबल बाथ लिक्विड या साबुन मिलाया जाता है। इससे पानी में झाग या बुलबुले बनते हैं।

वहीं कुछ सुगंधित एसेंशियल ऑयल्स, फूलों की पंखुड़ियां और बेबी डक जैसे खिलौनों को रख इसे बच्चों के लिए आकर्षक बनाया जाता है। लेकिन जानकार कहते हैं, कि इसके कई नुकसान भी हैं।

संवेदनशील त्वचा

छोटे बच्चों की त्वचा बहुत नाजुक और संवेदनशील होती है, इसलिए उनकी स्किन टाइप को समझना बेहद जरूरी है।

यदि उनकी त्वचा के अनुरूप उत्पादों का चयन न किया जाए तो बबल बाथ के बाद उन्हें जलन, खुजली, सूजन और लाल चकत्ते जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खासकर ऐसे प्रोडक्ट, जिनमें आर्टिफिशियल खुशबू, रंग या केमिकल होते हैं, वे बच्चों की त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

आंखों का संक्रमण

बबल बाथ के दौरान बच्चे पानी में खूब मस्ती करते हैं। ऐसे में यदि झाग युक्त पानी उनकी आंखों में चला जाए तो इससे उन्हें आंख में जलन, लालिमा, खुजली और अन्य परेशानियां हो सकती हैं, जो उनके मन में नहाने के प्रति डर पैदा कर सकती हैं। इसलिए बच्चों को नहलाने के लिए हमेशा सुरक्षित और टियर-फ्री उत्पादों का चयन किया जाना चाहिए।

यूटीआई (मूत्र संक्रमण)

बबल बाथ के बाद यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (यूटीआई) का खतरा विशेष रूप से बच्चियों में बढ़ जाता है, क्योंकि उनकी यूरीनरी ट्रैक्ट अधिक संवेदनशील होती है। केमिकल युक्त झागदार पानी यदि निजी अंगों के संपर्क में आता है तो इससे संक्रमण जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए आपको छोटी बच्चियों को बबल बाथ देने से बचना चाहिए।

सुरक्षित विकल्प खोजें

बबल बाथ की जगह बच्चों के लिए नहाने को मजेदार और सुरक्षित बनाने के लिए आप रंग बदलने वाले बाथ बम्स (जो केमिकल-फ्री हों), वाटर-सेफ खिलौने, रबर डक्स, स्प्लैश मैट्स और नहाने वाले पजल्स का उपयोग कर सकती हैं। बच्चों को उनके पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर वाले मग या साबुन से नहाना भी आकर्षित करता है। साथ ही नहाने के दौरान कहानी सुनाना या कोई गीत गाना बच्चों को व्यस्त रखता है। ये उपाय बच्चों के नहाने को मजेदार बना सकते हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

थिएटर के बाद अब 'सुपरमैन' देखें घर बैठे, ओटीटी पर होगी रिलीज

जेम्स गन की सुपरहीरो फिल्म 'सुपरमैन' के ओटीटी रिलीज को लेकर अपडेट सामने आ गया है। इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अब तक ठीक-ठाक प्रदर्शन किया है। 11 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हॉलीवुड सुपरहीरो फिल्म 'सुपरमैन' ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक अच्छा खासा परफॉर्म किया है। फिल्म न सिर्फ भारत में अच्छा प्रदर्शन कर रही है, बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इसके रिलीज का भी फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। डेविड कोरेनस्वेट की दमदार एक्टिंग और शानदार ग्राफिक्स के चलते फिल्म की दुनियाभर में काफी चर्चा हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये फिल्म एचबीओ मैक्स पर स्ट्रीम की जाएगी। हालांकि, मेकर्स की ओर से अभी इसकी ओटीटी रिलीज डेट की ऑफिशियल घोषणा नहीं हुई है। लेकिन अंदाजा लगाया जा रहा है कि ये फिल्म अगस्त 2025 के अंत तक ओटीटी पर दस्तक दे सकती है, क्योंकि वार्नर ब्रदर्स की पिछली फिल्मों को थिएटर रिलीज के 6 हफ्ते बाद डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया है। सुपरमैन ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर भी मजबूत पकड़ बनाई है। अब तक फिल्म करीब 28.25 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी है। पहले दिन फिल्म ने अलग-अलग भाषाओं में मिलाकर 7.25 करोड़, दूसरे दिन 9.5 करोड़, तीसरे दिन 9.25 करोड़ और चौथे दिन 2.25 करोड़ की कमाई की। खास बात ये है कि फिल्म को इंग्लिश के अलावा हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में भी पसंद किया जा रहा है। भारत में इस समय कई बड़ी फिल्में सिनेमाघरों में चल रही हैं, जिनमें 'सितारे जमीन पर', 'मेट्रो इन दिनों', 'आंखों की गुस्ताखियां' और 'मालिक' जैसी फिल्में शामिल हैं।

टॉलीवुड

हमारे बीच से जा चुकी दिवंगत अभिनेत्री सरोजा की आंखें अब देखेंगी दुनिया

दिग्गज अभिनेत्री बी सरोजा देवी की मृत्यु के बाद उनकी आंखें दान कर दी गईं। 87 वर्षीय अभिनेत्री का निधन 14 जुलाई को 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन पर मनोरंजन जगत में दुख की लहर दौड़ गई। पीएम मोदी और रजनीकांत समेत कई कलाकारों ने उनके निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अंतिम संस्कार के पहले अभिनेत्री की आंखें उनकी इच्छा के अनुसार दान कर दी गईं। कई दशकों तक अपने शानदार करियर के लिए जानी जाने वाली सरोजा देवी का बेंगलुरु के मल्लेश्वरम में उनके आवास पर उम्र संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। उनकी आंखें नारायण नेत्रालय को दान कर दी गईं। उन्होंने कुछ साल पहले इच्छा जताई थी कि उनकी आंखें दान कर दी जाएं। नारायण नेत्रालय में मौजूद डॉ. राजकुमार नेत्र बैंक के एक अधिकारी ने बताया कि सरोजा देवी ने कई साल पहले अस्पताल में अपनी आंखें दान करने की इच्छा जताई थी। अधिकारी ने पीटीआई को बताया 'उन्होंने कुछ साल पहले अपनी आंखों के लिए प्रार्थना की थी। एक बार, जब वह जांच के लिए अस्पताल आईं, तो उन्होंने हमारे अध्यक्ष से अपनी आंखें दान करने की इच्छा के बारे में बात की। इसके बाद नेत्रदान के लिए एक कार्ड बनाया गया। उन्हें नेत्रदान के लिए पंजीकरण कराए हुए लगभग पांच साल हो गए।'सरोजा देवी के निधन के बाद, उनके कॉर्निया निकाले गए और उनकी स्थिति बहुत अच्छी पाई गई। अधिकारी ने बताया 'केवल कॉर्निया निकाले गए हैं, दोनों कॉर्निया अच्छी स्थिति में हैं।' इन कॉर्निया का जल्द ही प्रत्यारोपण किया जाएगा, जिससे जरूरतमंद लोगों को देखने का मौका मिलेगा। भारतीय सिनेमा में सरोजा देवी का बड़ा योगदान है। उन्होंने अपने करियर में कई भाषाओं की कई फिल्मों में अभिनय किया और खुद को सिनेमा जगत में एक अहम हस्ती के तौर पर स्थापित किया। हिंदी फिल्मों की बात करें तो प्यार किया तो डरना क्या (1963) में उनके साथ शम्मी कपूर थे। पैग़ाम (1959) से उन्होंने दिलीप कुमार के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके अलावा बेटी बेटे (1964), दूज का चाँद (1964),प्रीत ना जाने रीत (1966),ओपेरा हाउस (1961),हांगकांग (1962),आशा और घराना जैसी फिल्मों में भी उन्होंने काम किया था।

भोजपुरी

'आग और सुहाग' का जलवा कायम, 3.35 लाख से ज्यादा बार लोगों ने देख डाला

रवि यादव और श्रुति राव की भोजपुरी फिल्म 'आग और सुहाग' यूट्यूब पर हिट हो गई है। फिल्म को बहुत सारे लोगों ने देखा है। संजय पांडेय और अनामिका पांडेय भी फिल्म में हैं। संजय वत्सल ने फिल्म का निर्देशन किया है। भोजपुरी फिल्म 'आग और सुहाग' ने यूट्यूब पर धूम मचा दी है। इस फिल्म ने रिलीज होते ही वायरल होना शुरू कर दिया और अब तक लगभग 3.35 लाख से ज्यादा लोग इसे देख चुके हैं। फिल्म 'आग और सुहाग' में रवि यादव और श्रुति राव मुख्य भूमिका में हैं, जबकि संजय पांडेय, अनामिका पांडेय, जे नीलम ,अनिता सहगल , संतोष पहलवान, आयुषी पॉल, खुशबू यादव, कृष्णा यादव, बंटी तिवारी, डॉली गुप्ता और संजना मिश्रा जैसे कलाकार भी अहम रोल्स में हैं। फिल्म का निर्देशन संजय वत्सल ने किया है, जबकि राकेश चंद्रा ने इसे प्रोड्यूस किया है। फिल्म का संगीत मधुकर आनंद ने दिया है और इसे जीएफसी म्यूजिक द्वारा रिलीज किया गया है। फिल्म में रवि यादव और संजय पांडेय के अभिनय को दर्शकों ने सराहा है। फिल्म की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह यूट्यूब पर वायरल हो रही है और बड़ी संख्या में लोग इसे देख रहे हैं।

खादी का जादू

लाइफ स्टाइल

रांची की एक कॉलेज स्टूडेंट अंकिता बांका ने फैशन डिज़ाइनर बनने के अपने सपने को सच करने एक अनूठी इंडो-वेस्टर्न ड्रेस डिज़ाइन की है। अंकिता के अलावा शिरीन शाहीन को भी अनूठी डिजाइन के लिए सम्मानित किया। दोनों के डिजाइन की खास बात यह थी कि इसमें खादी का भरपूर इस्तेमाल किया गया था। इस कदम को युवाओं के बीच खादी उत्पादों को और अधिक लोकप्रिय बनाने के तौर पर देखा जा रहा है।

बिना मेकअप चाहिए ग्लोइंग चेहरा, आजमाएं ये कोल्ड फेशियल ट्रिक

दीपिका पादुकोण हो या प्रियंका चोपड़ा, कई अभिनेत्रियों ने इस आइस थेरेपी को अपनी रूटीन में शामिल कर रखा है, जिसके बारे में वे अपने वीडियो या रील्स के जरिए ट्यूटोरियल दे चुकी हैं। आइए जानते हैं कैसे करें कोल्ड फेशियल और इसके फायदे क्या है।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई चाहता है दमकती और निखरी त्वचा। लेकिन हर बार पार्लर जाकर फेशियल करवाना संभव नहीं होता। ऐसे में कोल्ड फेशियल एक बेहद आसान, सस्ता और असरदार विकल्प बनकर उभरा है। कोल्ड फेशियल यानी चेहरे को आइस थेरेपी देना। यह न सिर्फ स्किन को ठंडक पहुंचाता है, बल्कि झुर्रियां, दाग-धब्बे, पफी नेस और ओपन पोर्स को भी कम करता है। इन दिनों कोल्ड फेशियल का चलन बढ़ गया है। दीपिका पादुकोण हो या प्रियंका चोपड़ा, कई अभिनेत्रियों ने इस आइस थेरेपी को अपनी रूटीन में शामिल कर रखा है, जिसके बारे में वे अपने वीडियो या रील्स के जरिए ट्यूटोरियल दे चुकी हैं। आइए जानते हैं कैसे करें कोल्ड फेशियल और इसके फायदे क्या है।

कोल्ड फेशियल क्या है?

कोल्ड फेशियल एक ऐसा नेचुरल स्किन केयर प्रोसेस है जिसमें बर्फ या ठंडे फेस मास्क की मदद से चेहरे पर मसाज की जाती है। यह त्वचा में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है, जिससे चेहरा तुरंत तरोताजा और निखरा नजर आता है। इस आसन तरीके से आप बिना किसी महंगे प्रोडक्ट या पार्लर विज़िट के भी चमकदार और हेल्दी स्किन पा सकती हैं। बस 10 मिनट की आइस थेरेपी और आपकी स्किन बेदाग, फ्रेश और ग्लोइंग दिखेगी, वो बिना मेकअप के भी। आपके चेहरे की रौनक बनी रहेगी और दिनभर तरोताजा महसूस करेंगी।

कोल्ड फेशियल कैसे करें?

सबसे पहले माइल्ड फेस वॉश से चेहरा धो लें। फिर बर्फ के टुकड़े को कॉटन क्लॉथ में लपेट लें। बर्फ से पूरे चेहरे पर हल्के हाथों से सर्कुलर मोशन में मसाज करें। लगभग 10 मिनट तक ये प्रक्रिया करें। उसके बाद हल्का मॉइश्चराइजर या एलोवेरा जेल लगाएं। आप चाहें तो बर्फ में गुलाब जल, ग्रीन टी, खीरे का रस या एलोवेरा मिलाकर भी आइस क्यूब बना सकती हैं और इससे मसाज कर सकती हैं।

कोल्ड फेशियल के फायदे

आइस क्यूब से मसाज करने से त्वचा को ठंडक मिलती है और पफीनेस कम होता है। ये फेशियल ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाकर चेहरे पर नेचुरल ग्लो लाता है। इससे डार्क सर्कल्स और झुर्रियां कम करने में मदद करता है। कोल्ड फेशियल ओपन पोर्स को टाइट करता है और स्किन स्मूद बनाता है।

ट्रेंड में हैं रफल मिडी ड्रेस, ट्रिप के दौरान पहनने के लिए बेस्ट

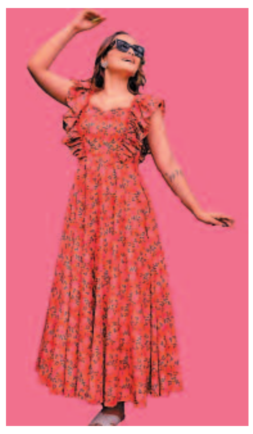

अगर आप भी ट्रिप के दौरान पहनने के लिए आउटफिट को लेकर परेशान है, तो आप इस तरह की रफल मिडी ड्रेस ट्राई कर सकती हैं, इन्हें पहनकर आप अपनी खूबसूरती को बढ़ा सकती है। अगर आप भी ट्रिप पर जाने का प्लान कर रही है और ट्रिप के दौरान पहनने के लिए आउटफिट को लेकर परेशान है, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। यह खबर आपके लिए बेस्ट हो सकती है। आज हम आपको कुछ ऐसी रफल मिडी ड्रेस बताएंगे, जिन्हें आप पहनकर अपनी खूबसूरती को बढ़ा सकती है।

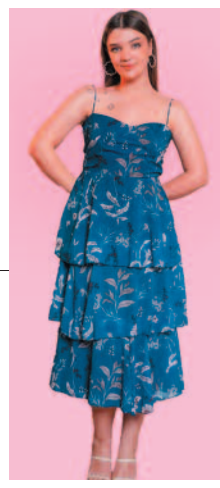

हेल्टर नेक रफल जॉर्जेट ए लाइन मिडी ड्रेस

अगर आप अपने दोस्तों के साथ किसी ट्रिप पर जाने का प्लान कर रही है और ऐसे में आउटफिट खोज रही है, तो आप इस खूबसूरत हेल्टर नेक रफल जॉर्जेट ए लाइन मिडी ड्रेस को शामिल कर सकती हैं। यह आपके लुक को एलिगेंट टच दे सकती है। इस तरह की ड्रेस को आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंटेड रफल फिट फ्लेयर मिडी ड्रेस

यही नहीं अगर आप अपनी फैमिली के साथ किसी ट्रिप पर जाने वाली हैं, तो अब आप एक जैसे कपड़े पहनने के बजाय इस खूबसूरत फ्लोरल प्रिंटेड रफल फिट फ्लेयर मिडी ड्रेस को ट्राई कर सकती है। इस तरह की ड्रेस को आप ट्रिप के दौरान पहनकर अपनी ट्रिप को यादगार बना सकती हैं। इसे आप बाजार से कपड़ा लाकर टेलर से बनवा सकती हैं।

स्क्वायर नेक कैप स्लीव्स रफल मैक्सी ड्रेस

यही नहीं आप चाहे तो ट्रिप पर पहनने के लिए इस खूबसूरत स्क्वायर नेक कैप स्लीव्स रफल मैक्सी ड्रेस को भी ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की ड्रेस भी आपकी खूबसूरती में चार-चार लगा देगी और आपको रॉयल लुक देने में मदद करेंगी। इस ड्रेस को आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

नए जूते-चप्पल कर रहे परेशान, दे रहे जख्म

क्या आपके भी पैरों की स्किन नए जूते-चप्पल पहनने के बाद कट जाती है? अगर ऐसा है तो आज हम आपको कुछ ट्रिक्स बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आपके पैरों की स्किन एकदम ठीक रहेगी।

सरसों का तेल लगाएं

सरसों का तेल अक्सर हम किचन में सब्जी बनाने के लिए इस्तेमाल करते हैं, लेकिन क्या आप जानती हैं यह तेल आपके पैरों की स्किन का भी बचाव कर सकता है। आप जब कभी भी नई स्लीपर पहनें तो उससे पहले हथेलियों पर सरसों का तेल लेकर उसमें पूरे पैर पर लगा लें। इसके बाद आप कोई भी न्यू जूता या चप्पल आसानी से कैरी कर सकती हैं। सरसों का तेल लग जाने के बाद स्लीपर्स नहीं काटेंगी।

जेल पैड्स का करें यूज

यदि आपको भी नई फुटवियर काटने लगती हैं, तो आप उसके लिए मार्केट से जेल पैड्स खरीदकर लेकर आएं। उसके बाद आप कोई भी नया या पुराना जूता या फिर चप्पल पहन सकती हैं। ऐसा करने से आपके पैरों की स्किन एक तो अच्छी रहेगी। साथ ही, इनमें लगी कुशनिंग आपके पैरों में होने वाले दर्द को भी आराम देंगी।

कॉटन की परत लगाएं

इसके अलावा आप स्लीपर पहनने से पहले पैरों पर सबसे पहले कॉटन की परंत बिछाएं। इसके बाद आप कोई भी स्लीपर पहन सकती हैं। कॉटन लगाने से स्किन पर कट का निशान नहीं लग पायेगा।

चार चांद लगाएंगे मिरर वर्क वाले झुमके

यदि आपको भी अपने पटियाला सूट के संग पहनने के लिए झुमकों की तलाश है, तो आपको कुछ मिरर वर्क झुमके के लेटेस्ट डिजाइंस जरूर देखने चाहिए। जिनसे आप आइडिया लेकर अपना लुक परफेक्ट बना सकती हैं। हम आपको कुछ डिफरेंट डिजाइंस वाले मिरर वर्क झुमके दिखाने जा रहे हैं। जिनसे आप भी आइडिया लेकर अपना लुक खूबसूरत बना सकती हैं।

चांद बाली मिरर वर्क झुमके

यदि आपको मिरर वर्क झुमके कैरी करना पसंद है तो इस तरह के चांद बाली झुमके आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हैं। इनके मिडिल में स्मॉल झुमकी लगी हुई है। जबकि नीचे की ओर मेटल बीड्स लगे हुए हैं। यह मेटल बीड्स वाले चांद बाली झुमके ब्लैक कलर के पटियाला सूट संग गजब के खूबसूरत नजर आएंगे। इस इयररिंग्स के साइड में मिरर वर्क और सेंटर में एक बड़ा मिरर लगा हुआ है। ऐसे में इस झुमके का ओवरऑल लुक गॉर्जियस है। यह आपको ऑनलाइन 200 से 300 रुपये की कीमत में मिल जाएंगे।

मिरर वर्क डेंगल झुमके

अगर आपको इस तरह के लांग इयररिंग्स पहनना पसंद है तो आपके लिए इस तरह के डेंगल मिरर वर्क इयररिंग्स भी परफेक्ट ऑप्शन है। इसके नीचे की साइड बिग झुमकी और ऊपर की तरफ हाफ फ्लावर डिजाइन में मिरर लगे हुए हैं। ऐसे झुमके हर तरह के पटियाला सूट के साथ पहने जा सकते हैं। इनको आप किसी वेडिंग फंक्शन में पहन सकती हैं। यह इयररिंग्स पतले चेहरे वाली लड़कियों के लिए बेस्ट हैं। आप इनको ऑनलाइन 300 से 500 रुपये के बीच खरीद सकती हैं।

मिरर वर्क बिग झुमकी

अगर आपको बड़ी झुमकी पहनना पसंद है तो यह आपके लिए परफेक्ट चॉइस है। इस तरह की झुमकी पटियाला सूट के संग कैरी करने पर आपके लुक में चार-चांद लगा देती हैं। इनको आप छोटे-बड़े हर तरह के फंक्शन में कैरी करके जा सकती हैं।

कार्नर न्यूज

शेविंग के दौरान छोटी-छोटी गलतियों की वजह से होती कई समस्याएं

शेव करने के दौरान अक्सर सामना होता है रेजर बर्न की समस्या से, राहत के लिए अपनाएं कुछ आसान से उपाय

शेविंग के दौरान रेजर बर्न एक आम समस्या है जो त्वचा में जलन, लालिमा और खुजली का कारण बनती है। यह तब होता है जब रेजर त्वचा की ऊपरी परत को नुकसान पहुंचाता है। रेजर बर्न से बचने के लिए, शेविंग से पहले त्वचा को भिगोना, शेविंग क्रीम या जेल का उपयोग करना, बालों के बढ़ने की दिशा में शेव करना और शेविंग के बाद मॉइस्चराइजर का उपयोग करना महत्वपूर्ण है।

रेजर बर्न क्या है?

रेजर बर्न, जिसे शेविंग रैश भी कहा जाता है, त्वचा की जलन है जो शेविंग के बाद होती है। यह तब होता है जब रेजर त्वचा की ऊपरी परत को हटा देता है, जिससे जलन और सूजन होती है।

रेजर बर्न के कारणों में सूखी शेविंग,बिना शेविंग क्रीम या जेल के सूखी त्वचा पर शेव करना। पुराने रेजर का उपयोग,सुस्त ब्लेड वाले रेजर का उपयोग करना। बहुत जल्दी-जल्दी शेव करना। एक ही जगह पर बार-बार शेव करना। बालों के बढ़ने की दिशा के विपरीत

शेव करनाः इससे बालों के वापस त्वचा में घुसने की संभावना बढ़ जाती है। संवेदनशील त्वचाःकुछ लोगों की त्वचा दूसरों की तुलना में अधिक संवेदनशील होती है और रेजर बर्न के प्रति अधिक संवेदनशील होती है। एलोवेरा जेल रेजर बर्न की समस्या को ठीक करने में बहुत ही कारगर होते हैं। ये न सिर्फ रेजर से कटने के बाद होने वाली खुजली को दूर करते हैं बल्कि चोट के घाव को भरने में भी मदद करते हैं। घावों को ठीक करने और स्किन को मुलायम करने के अलावा भी एलोवेरा जूस के ढेरों फायदे हैं। एलोवेरा में कई तरह के एंटी बैक्टीरियल और एंटी फंगल गुण पाए जाते हैं। गहराई तक कटे हुए घाव पर भी अगर एलोवेरा जेल लगाया जाए तो इससे जीवाणु दूर रहते हैं। इसके अलावा, एलोवेरा स्किन की नमी बनाए रखने और पोषण देने में भी मदद करता है।

एलोवेरा जेल को आसानी से घर पर भी बनाया जा सकता है। इसके अलावा, बेस्ट एलोवेरा जेल को ऑनलाइन भी खरीदा जा सकता है।

बर्फ के टुकड़े से मसाज करें

हालांकि इस उपाय से घाव के ठीक होने का कोई संबंध नहीं है। लेकिन इसके बाद रेजर से कट लगने पर अगर बर्फ के टुकड़ों से मसाज की जाए तो इससे दर्द और खुजली को आसानी से ठीक किया जा सकता है।

इसके अलावा, बर्फ रगड़ने से घाव और उसके आसपास की त्वचा ठंडी होकर सुन्न हो जाती है। इसके चलते खून बहना बंद हो जाता है। खून बंद होने के बाद, अन्य दवाओं को लगाना काफी आसान हो जाता है। इसके अलावा, दवाओं को असर दिखाने का मौका भी मिल जाता है।

नारियल का तेल लगाएं

नारियल तेल को भगवान का वरदान भी कहा जाता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि स्किन के ऊपरी हिस्से में क्या समस्या है। चाहें वो रैशेज, दाग-धब्बे, जलन, खुजली आदि की समस्या ही क्यों न हो, नारियल तेल लगाने पर वो हमेशा बढ़िया काम करता है।

रेजर बर्न होने पर नारियल का तेल लगाने पर दर्द से भले ही राहत न मिले। लेकिन घाव के भरने की प्रक्रिया जरूर तेज हो जाती है।

हालांकि इसमें थोड़ा समय जरूर लगता है। इसके अलावा, नारियल का तेल, एंटीसेप्टिक के तौर पर भी काम करता है। ये स्किन को हानिकारक कीटाणुओं से दूर रखने में मदद करता है।

ठंडे टी बैग लगाएं

चाय की पत्तियों में ढेर सारे पोषक तत्व और एंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। ये एंटी ऑक्सीडेंट्स स्किन में होने वाली हर तरह की समस्याओं से राहत देती हैं।